pragyatsamachar@yahoo.com

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, उत्तराखंड से एक साथ प्रसारित

www. pragyatsamachar.co.in

प्रज्ञात समाचार

सच की आवाज, जनता के साथ

वर्ष:1 अंक : 02 | सोमवार, 01 जून से 7 जून 2026 | पृष्ठ:6 | मूल्य: 2 रुपये

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं को झटका

जून से महंगी होगी बिजली 10% बढ़कर आएगा बिल

यूपी के तीन करोड़ से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं को झटका लगने वाला है। जून से बिजली महंगी हो जाएगी

जून में आने वाले बिल में अब 10 प्रतिशत अतिरिक्त चार्ज जुड़कर आएगा।

प्रज्ञात ब्यूरो

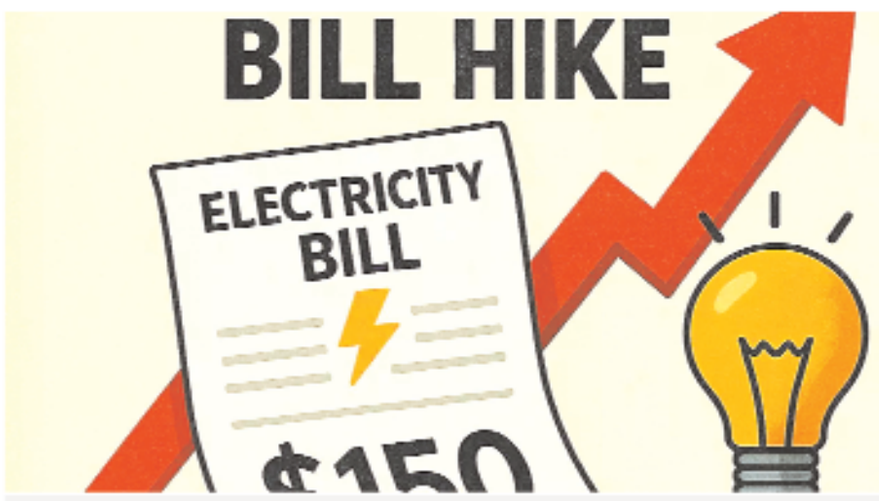

लखनऊ। ईरान-इजराइल के युद्ध को लेकर पेट्रोल और डीजल के दामों की बढ़ोत्तरी के बाद अब महंगाई का असर बिजली पर भी पड़ गया है। यूपी में बिजली महंगी हो गई है। इससे उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड बिजली बिल में 10 प्रतिशत एक्स्ट्रा चार्ज लगाने का फैसला किया है। ये चार्ज जून में आने वाले बिजली बिल में जुड़कर आएगा। इससे यूपी के तीन करोड़ से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं की जेब ढीली होगी। यानी अब बिजली उपभोक्ताओं को 10 फीसदी अतिरिक्त पैसा देना होगा। अगर आपका 100 रुपये का बिल आएगा तो उस पर 10 रुपये ज्यादा देने होंगे।

यूपी पावर कॉरपोरेशन के इस फैसले से प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर खासा असर पड़ने वाला है। इसमें घरेलू, व्यावसायिक और अन्य श्रेणी के उपभोक्ता भी शामिल हैं। बिजली विभाग का कहना है कि बिजली उत्पादन और खरीद में आने वाली अतिरिक्त लागत की भरपाई के लिए फ्यूल सरचार्ज लगाया जा रहा है, इसके तहत बिजली बिल में भी अब अतिरिक्त चार्ज जोड़ा जाएगा।

प्रीपेड मीटर समेत अन्य मामलों पर याचिका दायर: बहुमंजिला इमारतों में प्रीपेड मीटर और अन्य गड़बड़ियों को समाप्त करने के लिए शुक्रवार को नियामक आयोग में लोकमहत्व याचिका दायर की गई है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने याचिका दायर कर 2018 का आदेश रद्द करने की मांग की है। साथ ही इसमें लखनऊ व नोएडा के कुछ बिल्डरों व रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) द्वारा मनमानी बिजली दरों से वसूली और मेंटेनेंस शुल्क की प्रीपेड मीटर से कटौती के आदेशों की भी शिकायत की गई है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि एक अप्रैल 2026 से केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने पूरे देश में प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है।

प्रीपेड मीटरों से मेंटीनेंस शुल्क की हो रही वसूली:

उपभोक्ता परिषद ने कहा कि लखनऊ सहित नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, मेरठ समेत अन्य शहरों की बहुमंजिला इमारतों में प्रीपेड मीटरों से मेंटीनेंस शुल्क की वसूली के आदेश हो रहे हैं। उन्होंने आरडब्ल्यूए द्वारा जारी आदेश की प्रति भी याचिका में संलग्न की है। याचिका में आयोग से बहुमंजिला इमारतों में प्रीपेड व्यवस्था समाप्त करने के अलावा साझा क्षेत्रों में बिजली खर्च का ब्योरा उपभोक्ताओं को दिलवाए जाने की भी मांग की गई है। मांग की गई है कि बहुमंजिला इमारतों में भी रहने वालों को सीधे विद्युत वितरण निगम से कनेक्शन लेने का अधिकार दिया जाए। बिल्डरों द्वारा बिजली दरें तय करने पर रोक लगाई जाए।

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 मौतें

सहारनपुर में 10 गाड़ियां बहीं बिहार में 4 फ्लाइट डायवर्ट

नौतपा में छोटे बच्चों को रखें सेफ: बाहर भेजते हुए ध्यान रखें 7 बातें, आइसक्रीम की जगह पिलाएं ये हेल्दी ड्रिंक्स

प्रज्ञात ब्यूरो

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना । देश में गर्मी के बीच 15 से ज्यादा राज्यों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार में पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हुई है। पटना में बारिश के चलते 4 फ्लाइट डायवर्ट की गई, जबकि 18 फ्लाइट लेट रहीं। इससे करीब 500 से ज्यादा यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। आज प्रदेश के 25 जिलों में बारिश की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में आंधी तूफान की वजह से 31 लोगों की मौत हो गई है। सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी से तेज बहाव के साथ पानी नीचे आ गया। इससे इनोवा, ट्रैक्टर समेत 10 गाड़ियां बह गईं। आज भी राज्य 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में शनिवार को 30 जिलों में आंधी के साथ ओले गिर सकते हैं। एक दिन पहले चूरू, हनुमानगढ़, बीकानेर, सीकर समेत 9 जिलों में तापमान 10 डिग्री तक गिर गया। पंजाब के पठानकोट में शनिवार सुबह ओले गिरे हैं। वहीं, मोहाली में तेज बारिश हुई।

देश के कई शहरों में इन दिनों टेम्परेचर 45 डिग्री सेल्सियस के पार है। इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही बच्चे की सेहत पर भारी पड़ सकती है। उनकी दिनचर्या और खानपान में कुछ बदलाव करके उन्हें हीट स्ट्रोक यानी लू से बचाया जा सकता है।

मानसून 7 दिनों में केरलम पहुंचेगा:

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अगले 7 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है।

मौसम विभाग के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है।

'बकरा हलाल होते देखा है'?:

सूर्या ने मना किया तो असद बोला- आओ दिखाते हैं, चाकू से गोद डाला

ईद पर खोड़ा में 11वीं के छात्र सूर्या की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। दोस्त असद और साथियों ने उसे बुलाया, फिर पेट में चाकू घोंप दिया

प्रज्ञात समाचार

खोड़ा (गाजियाबाद)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ईद के त्योहार पर खोड़ा थाना क्षेत्र की नवनीत विहार कॉलोनी में 11वीं कक्षा के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमला सूर्या के दोस्त असद और उसके साथियों ने किया। सूर्या को पहले पेट में चाकू मारा गया। इसके बाद वह चाकू लगी हालत में करीब 200 मीटर तक जान बचाने के लिए भागा। आरोपियों ने पीछा कर उसे गिरा दिया और पेट से चाकू निकालकर दोबारा कई बार वार किए। उपचार के दौरान शुक्रवार को सूर्या ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मृतक के भाई यश चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका परिवार मूलरूप से एटा के सुखवाबाद का रहने वाला है और खोड़ा में मां, बहन और भाई सूर्या के साथ रहता है। पिता कौशलेंद्र का पहले ही निधन हो चुका है। सूर्या 11वीं का छात्र था।

असद बोला- बकरा हलाल होते देखा है: शिकायत के अनुसार असद अपने साथियों के साथ केले के गोदाम के पास खड़ा था। उसने सूर्या से कहा कि कभी बकरा हलाल होते देखा है। सूर्या ने मना किया तो असद ने कहा कि आओ आज तुम्हें दिखाते हैं। सूर्या ने फिर इनकार किया और वहां से लौटने लगा। इसी बात पर असद ने गाली-गलौज शुरू कर दी और सूर्या के विरोध करने पर चाकू निकालकर उसके पेट में घोंप दिया। चाकू लगने के बाद सूर्या ने असद को धक्का देकर छुड़ाया, लेकिन चाकू पेट में ही फंसा रह गया। वह पेट में चाकू लेकर करीब 200 मीटर तक भागा और फिर गिर पड़ा।

कॉकरोच जनता पार्टी पर आरएसएस की प्रतिक्रिया

लोकतंत्र में हर आवाज के लिए जगह, चिंता की कोई बात नहीं

भारतीय लोकतंत्र में सभी तरह की आवाजों और भावनाओं को समाहित करने की पूरी क्षमता है।

प्रज्ञात ब्यूरो

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों तहलका मचा रहे सैटायरिकल ग्रुप कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर चल रहे विवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी बयान सामने आया है। आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुनील आंबेकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक समाज में अलग-अलग राय और सार्वजनिक चर्चाएं होना स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसे चिंता या झटके के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आपको बता दें कि सीजेपी का सोशल मीडिया पर Gen-Z के बीच में काफी क्रेज है। इंस्टाग्राम पर इसके फॉलोअर्स की संख्या भारतीय जनता पार्टी सहित कई प्रमुख राजनीतिक दलों से भी आगे निकल गई है।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने समाचार एजेंसी एएनआई (अवध) से बातचीत में कहा कि भारतीय लोकतंत्र में सभी तरह की आवाजों और भावनाओं को समाहित करने की पूरी क्षमता है। सुनील आंबेकर ने कहा, हम एक जागरूक समाज हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हैं। हमारे पास पारदर्शी चुनाव, स्वतंत्र मीडिया और अब सोशल मीडिया भी है। यहां रोज खुली चर्चाएं होती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि लोकतंत्र में किसी भी तरह की चर्चा या अलग राय व्यक्त किए जाने से हैरान नहीं होना चाहिए। इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए।

20 जून से पहले मोदी कैबिनेट का विस्तार संभव

10 जून को मुख्यमंत्री परिषद की बैठक, ये दो मंत्री देंगे इस्तीफा

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला मंत्रिमंडल विस्तार जून के मध्य तक हो सकता है।

प्रज्ञात ब्यूरो

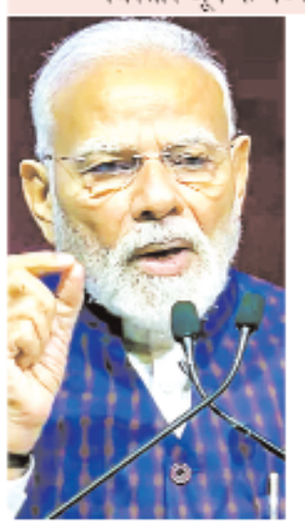

लखनऊ। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले विस्तार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। नौ जून को इस कार्यकाल के दो साल पूरा होने और 10 जून को राजगशासित दलों के मुख्यमंत्री परिषद की बैठक के बाद पहला मंत्रिमंडल विस्तार होगा, उसके बाद भाजपा के केंद्रीय संगठन की नई टीम बनेगी।

हाल ही में दिल्ली के अध्यक्ष बनाए गए हर्ष मल्होत्रा और चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पंकज चौधरी संगठन पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए मंत्री पद से इस्तीफा देंगे। सूत्रों ने बताया कि विस्तार के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम पर साथ-साथ मंथन हो रहा है। संकेत हैं कि मुख्यमंत्री परिषद की बैठक के बाद 20 जून से पहले मंत्रिमंडल विस्तार को अमली जामा पहनाया जाएगा, इसके तत्काल बाद केंद्रीय संगठन की नई टीम घोषित कर दी जाएगी।

इसलिए ज्यादा माथापच्ची: केंद्रीय संगठन की नई टीम और मंत्रिमंडल विस्तार से बनने वाली पीएम मोदी की नई टीम में आगामी आम चुनाव तक कोई बदलाव नहीं होना है। इसके अतिरिक्त पार्टी को अगले साल की शुरुआत में यूपी, उत्तराखंड, पंजाब और अंत में गुजरात और मणिपुर जैसे अहम राज्यों में विधानसभा चुनाव का सामना करना है। ऐसे में सरकार की नई टीम के जरिए सभी राज्यों से संतुलन बैठाना होगा। यही कारण है कि दोनों ही सूची के लिए गहन माथापच्ची हो रही है।

मुख्यमंत्रियों के साथ ताबड़तोड़ बैठक: दोनों स्तर पर नई टीम पर विचारविमर्श के लिए ही पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों की केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक हुई है। नतीजे के बाद बंगाल, असम, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों ने दिल्ली में हाजिरी लगाई है। खुद पार्टी अध्यक्ष ओडिशा, कर्नाटक के बाद अब उत्तराखंड के दौरे पर हैं।

लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का रक्षामंत्री ने लोकार्पण किया

रिटायर्ड युद्धपोत रखा गया, 2 एकड़ में फैला है म्यूजियम

प्रज्ञात ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी आदित्यनाथ और नौसेना अध्यक्ष एडमिरल केएस त्रिपाठी ने लोकार्पण किया। इस वाटिका में रिटायर्ड युद्धपोत क्लर गोमती भी रखा गया है। यह ओरिजिनल रूप में है। इसके अलावा 2 एकड़ में फैले ओपन म्यूजियम में कुछ जहाजों के पार्ट्स और हथियार रखे गए हैं। इनमें आक-726 मोडिफाइड रेंज गन, एएल-538 टारपीडो डिकॉय सिस्टम, जिफ-101 लॉन्चर, कैपस्टन ड्रम और जहाज का बड़ा प्रोपेलर (पंखा) शामिल हैं।

19 करोड़ रुपए से बनाई गई है वाटिका: नौसेना शौर्य वाटिका लगभग 19 करोड़ की लागत से 2 एकड़ से अधिक क्षेत्र में तैयार की गई है। यह वाटिका इकाना क्रिकेट स्टेडियम के गेट नंबर-5 के पास है। वाटिका का सबसे बड़ा आकर्षण भारतीय नौसेना का सेवानिवृत्त युद्धपोत क्लर गोमती है।

यह युद्धपोत करीब 35 साल की सेवा के बाद 28 मई 2022 को नौसेना सेवा से सेवानिवृत्त हुआ था। युद्धपोत के विभिन्न हिस्सों को यहां संरक्षित कर प्रदर्शित किया गया है ताकि लोग नौसैनिक युद्धपोतों की संरचना और तकनीकी क्षमता को समझ सकें।

शौर्य वाटिका में ये देखने को मिलेंगे: मिली जानकारी के अनुसार, शौर्य वाटिका में जिन चीजों को दिखाने के लिए रखा गया है, उनको इस कैटलॉग में दिखाया गया है।

शौर्य वाटिका से डिफेंस कॉरिडोर और ब्रह्मोस की भी जानकारी मिलेगी: एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा- लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका के होने का मुख्य कारण यहां की कनेक्टिविटी प्रदेश की गंगा, गोमती नदी जोकि बंगाल से जुड़ी है और इसके विकास में अहम है। भारतीय नौसेना में बड़ी संख्या जवान यूपी से आते हैं और देश की सबसे अधिक रक्षा तंत्र यूपी में है। गोमती नदी के नाम पर भारतीय नौसेना पोत गोमती ने 34 साल तक सेवा दी और इसे गोमती तट पर स्थापित की गई। वाटिका से यूपी डिफेंस कॉरिडोर और ब्रह्मोस की मैन्युफैक्चरिंग के बारे में भी जानकारी मिलेगी।

नौसेना अध्यक्ष बोले- यूपी समुद्र से मिलता है: लखनऊ में नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा- लोग पूछेंगे कि नौसेना शौर्य वाटिका को लखनऊ में क्यों बनाया गया? इस पर बताना चाहता हूं कि अवध क्षेत्र से गोमती, घाघरा वाराणसी में गंगा में मिलती हैं। इसके बाद कलकत्ता में समुद्र तक पहुंचती हैं। इस तरह से अवध पूरे विश्व से जुड़ा हुआ है। समुद्र यूपी से नहीं मिलता होगा, लेकिन यूपी समुद्र से मिलता है।

नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण किया गया: रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, नौसेना अध्यक्ष एडमिरल केएस त्रिपाठी ने शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया।

नौसेना अध्यक्ष ने रक्षामंत्री और सीएम योगी को स्मृति चिह्न दिए: नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी का स्वागत किया। उन्होंने रक्षामंत्री को नौसेना की एक प्लेट और योगी आदित्यनाथ को बड़े जहाज की प्रतिकृति दी।

बुलडोजर चलाने वाला साधु नहीं हो सकता

गौ संरक्षण में भ्रष्टाचार अविमुक्तेश्वरानन्द का सीएम योगी पर हमला

प्रज्ञात समाचार

झांसी। गौ संरक्षण के नाम पर सरकार को घेरते आ रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द ने अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सीधा निशाना साधा है। गौ रक्षा यात्रा पर निकले अविमुक्तेश्वरानन्द ने झांसी पड़ाव के दौरान कुंजबिहारी मंदिर में पत्रकारों से वार्ता की। अविमुक्तेश्वरानन्द ने कहा कि केवल गेरुआ वस्त्र पहनने से कोई साधु नहीं हो जाता है। लोगों पर बुलडोजर चलाने वाला साधु नहीं हो सकता है। प्रदेश में गौ संरक्षण के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

अविमुक्तेश्वरानन्द ने विपक्षी दलों को राह बदलने की सीख देते हुए कहा कि जो पार्टी अपने घोषणा पत्र में गौ-माता के संरक्षण का वादा करेगी। वही 2027 के चुनाव में सत्ता पाएगी। कथा वाचक धीरेन्द्र शास्त्री को लेकर भी अविमुक्तेश्वरानन्द ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि लोगों को भविष्य बताने वाले धीरेन्द्र शास्त्री के साथ सरकार को कान्ट्रेक्ट करना चाहिए।

सभी वार्डों में हर घर तक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का आदेश

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने संभावित जनसुनवाई के दौरान प्राप्त समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जलकल विभाग को सभी वार्डों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर घर को पेयजल की नियमित आपूर्ति नगर निगम की प्राथमिकता है और इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कुल 19 संदर्भ प्राप्त हुए: निर्माण विभाग से 10, स्वास्थ्य विभाग से 3, जलकल विभाग से 4, पार्किंग से 1 और प्रकाश संबंधित 1,जलकल संबंधित संदर्भों पर नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को तत्काल कार्यवाही का निर्देश दिया और मौके पर टीम भेजकर मरम्मत व निरीक्षण कराए गए।

विजयनगर जोन तथा सिटी जोन में नलकूप और मोटर की खराबी के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई; इस पर संबंधित अवर अभियंता तथा अधिशासी अभियंता जल को समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि जलकल विभाग की टीमें स्वयं शहर के सभी वार्डों का निरीक्षण करके पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें और आवश्यकता पड़ने पर विशेष अभियान चलाकर हर घर तक पानी पहुंचाया जाए।

नगर आयुक्त ने कहा कि जलापूर्ति संबंधी शिकायतों का त्वरित निवारण प्राथमिकता सूची में रखा जाए और फॉलो-अप रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए।

मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, डॉ. अनुज (प्रभारी उद्यान), प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, एसपी मिश्रा तथा निर्माण विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और संबंधित विभागों से संबंधित अन्य संदर्भों पर भी आवश्यक कार्यवाही कराई गई।

तिगरी गोल चक्कर को मिलेगी नई पहचान

महापौर सुनीता दयाल ने लिया सौंदर्यीकरण कार्यों का जायजा, दिए निर्देश

10 करोड़ की परियोजना से बदलेगी तस्वीर, गंदगी से बदनाम एंट्री अब बनेगी शहर का सबसे सुंदर प्रवेश द्वार

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। शहर की बदहाल और गंदगी से बदनाम मानी जाने वाली तिगरी गोल चक्कर से एनएच-9 तक की तस्वीर अब पूरी तरह बदलने जा रही है। शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के अभियान के तहत महापौर सुनीता दयाल ने सोमवार को मुख्य अभियंता निर्माण विभाग के साथ तिगरी गोल चक्कर क्षेत्र का निरीक्षण किया और चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

नगर निगम द्वारा करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से इस पूरे क्षेत्र में नाला निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, डिवाइडर विकास, गोल चक्कर पर स्टेच्यू स्थापना और व्यापक सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। वर्षों से गंदगी, अव्यवस्थित ठेले-रेहड़ियों और अतिक्रमण के कारण बदनाम यह क्षेत्र अब जल्द ही गाजियाबाद की नई पहचान बनने की ओर बढ़ रहा है।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने पाया कि सड़क और नाले का अधिकांश कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वहीं गोल चक्कर पर स्टेच्यू स्थापित कर सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने ग्रीन बेल्ट का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर बरसात के मौसम में बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाए ताकि प्रवेश मार्ग हरियाली से आच्छादित दिखाई दे।

महापौर ने विशेष रूप से सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और पटरी व्यापारियों को व्यवस्थित करने की योजना पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि नगर निगम की मंशा किसी का रोजगार छीनना नहीं, बल्कि सभी को व्यवस्थित स्थान देकर शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाना है। इसके लिए अलग से प्लान तैयार किया जा रहा है, जिससे व्यापार भी चलता रहे और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो।

निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर, बॉस-बल्ली, रोड़ी-सीमेंट का सामान और अवैध पार्किंग भी देखी गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे स्थानों को चिन्हित कर तत्काल कार्रवाई की जाए तथा ग्रीन बेल्ट को पूरी तरह विकसित किया जाए। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि पहले नोएडा से गाजियाबाद आते ही तिगरी गोल चक्कर क्षेत्र की गंदगी देखकर लोग समझ जाते थे कि गाजियाबाद आ गया है, लेकिन अब यही क्षेत्र शहर की सबसे सुंदर एंट्री बनने जा रहा है। नगर निगम लगातार शहर के प्रमुख स्थलों पर सौंदर्यीकरण अभियान चला रहा है ताकि गाजियाबाद की सकारात्मक और आकर्षक पहचान बनाई जा सके।

श्रमिक दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक काम नहीं करेंगे

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए श्रमिक अब दोपहर में काम नहीं करेंगे। यह आदेश मंडलायुक्त ने जारी किए हैं। इस दौरान निर्माण कार्य, सड़क निर्माण, औद्योगिक इकाइयों और अन्य बाहरी कार्यस्थलों पर इस समय काम बंद रहेगा। वहीं, पर श्रमिकों के लिए निर्माण साइटों पर पानी और ओआरएस रखना भी अनिवार्य किया गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए मंडलायुक्त भानुचंद गोस्वामी ने जिले में श्रमिकों को दोपहर में काम नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इसके जांच की जिम्मेदारी श्रम विभाग को सौंपी हैं। विभाग इस दौरान टीम बनाकर औद्योगिक क्षेत्रों सहित अन्य निर्माण साइटों की जांच करेगा। निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए दोपहर के समय कार्य पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। काम के लिए समय सुबह सात से दोपहर 12 बजे और शाम चार से सात बजे तक किया गया है। वहीं, दोपहर को 12 बजे से सायं चार बजे तक श्रमिकों के लिए आराम का समय निर्धारित किया गया है।

उपश्रम आयुक्त का बयान

उपश्रम आयुक्त अनुराग मिश्र ने बताया कि यह निर्णय श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि तेज धूप और लू से होने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सके। अधिकारी ने बताया कि सभी सरकारी और निजी संस्थानों को श्रमिकों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कार्यस्थलों पर पीने के पानी, ओआरएस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी होगी।

टीम बनाकर होगी जांच

श्रम विभाग जांच के लिए टीम का गठन किया है। जो विभिन्न निर्माण स्थलों, फैक्ट्रियों और अन्य कार्यस्थलों का निरीक्षण करेगी और नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी करेगी। इसके अलावा टीम निर्माण स्थलों पर पानी के व ओआरएस के इंतजाम संबंधित संस्था द्वारा किए गए हैं या नहीं इनकी भी जांच करेगी।

‘12 साल विश्वास, विकास और जन कल्याण के’ अभियान को लेकर

भाजपा की जिला कार्यशाला आयोजित

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा ह्ल12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण केह्व अभियान के अंतर्गत मॉडर्न कॉलेज, मोहन नगर में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई।

कार्यशाला में 5 जून से 21 जून तक चलने वाले विशेष अभियान के माध्यम से केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति तैयार की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकताओं को अभियान के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्हें सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति बताई।

अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर प्राकृतिक खेती कार्यशाला, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, मीडिया संवाद और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। वहीं ब्लॉक स्तर पर जन कल्याण शिविर तथा मंडल स्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम आयोजित होंगे।

इसके अलावा योग दिवस, विशेष जनसंपर्क अभियान, प्रगति पथ यात्रा, वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान सेक्टर एवं बूथ स्तर तक चलाए जाएंगे।

कार्यशाला में उपस्थित कार्यकताओं ने नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

अभियान के लिए महानगर संयोजक के रूप में राजन आर्य वाल्मीकि तथा सहसंयोजक के रूप में मेहताब त्यागी, राम त्यागी और दयानंद बंसल को जिम्मेदारी सौंपी गई।

छात्रों को करियर निर्माण के लिए किया प्रेरित, शिक्षा को बताया सफलता की कुंजी

प्रज्ञात समाचार

पिलखुवा। अंबेडकर मिशन शिक्षा ट्रस्ट द्वारा आर्य नगर स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में ह्लएक कदम शिक्षा की ओर.... करियर काउंसलिंग सेमिनारह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 12वीं पास, अध्ययनरत एवं ग्रेजुएशन कर रहे अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

सेमिनार में ट्रस्ट के फैकल्टी इंजीनियर प्रदीप कुमार ने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उचित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि आज के छात्र ही अपने परिवार और समाज का भविष्य हैं। उन्होंने बताया कि मिशन कोचिंग के माध्यम से अब तक 59 विद्यार्थी विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में संस्थान में ऑफलाइन कक्षाएं संचालित हो रही हैं, जबकि जल्द ही सभी कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से भी शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही ह्लसुपर 50ह्व नाम से एक विशेष बैच भी शुरू किया जाएगा।

कार्यक्रम में फैकल्टी मुरली सिंह ने छात्रों को सोशल मीडिया, विशेषकर इंस्टाग्राम से दूरी बनाकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का मूल संदेश ह्लशिक्षित बनोह्व था और युवाओं को उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए संसाधनों का उपयोग लाइब्रेरी, शिक्षण संस्थानों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसे सकारात्मक कार्यों में होना चाहिए। उन्होंने छात्रों से संवैधानिक और शिष्टाचारपूर्ण तरीके से अपने विचार रखने की अपील की।

कार्यक्रम के संयोजक पदम सिंह गौतम ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है, इसलिए समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अधिक मेहनत और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत धम्मचारिणी प्रज्ञा कीर्ति द्वारा बुद्ध वंदना के संगायन से हुई। संचालन पदम सिंह गौतम ने किया। कार्यक्रम में मास्टर सुनील कुमार, राहुल, गगन कुमार, पुष्कर वर्मा और पवन सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।

मोहन नगर तिराहा से ज्ञानी बॉर्डर तक विशेष धूल-मुक्त महा अभियान शुरू

नगर आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर भी कड़ी फटकार लगाते हुए प्रमुख मार्ग पर तत्काल महा सफाई अभियान चलाने का आदेश दिया

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मोहन नगर तिराहे से ज्ञानी बॉर्डर तक सड़क निरीक्षण कर वहां जमी धूल, सेंट्रल वर्ज व ग्रीन बेल्ट की उपेक्षित स्थिति देख अधिकारियों को फटकार लगाई और दस दिन के भीतर पूरे मार्ग को धूल-मुक्त करने के निर्देश दिए। नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और जल निगम को मिलाकर व्यापक महा अभियान तुरंत प्रभाव से चलाने के आदेश जारी किए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि दिल्ली से गाजियाबाद आने वाली यह प्रमुख सड़क शहर का प्रवेश द्वार है और इसे स्वच्छ व सुव्यवस्थित रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। सड़कों किनारे जमा मलबा या अनावश्यक निर्माण सामग्री दिखने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निर्माण विभाग तथा पीडब्ल्यूडी को यातायात व नागरिक असुविधा के मद्देनजर चल रहे कार्यों में जनता की सुविधा का ध्यान रखना होगा।

अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को उपकरणों के माध्यम से टीम लगाकर तुरंत धूल-मुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। मोहन नगर तिराहे से ज्ञानी बॉर्डर तक लगभग पांच किलोमीटर से अधिक stretch के सेंट्रल वर्ज व ग्रीन बेल्ट की मरम्मत, व्यवस्थित करने और गमले लगाने के लिए प्रभार उद्यान अधिकारी डॉ. अनुज को कड़े निर्देश दिए गए। मार्ग पर हो रहे अतिक्रमण हटाने और अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का भी आदेश दिया गया है। ग्रीन एरिया को नर्सरी की तरह व्यवस्थित करने का काम भी तत्काल शुरू करने को कहा गया।

जल निगम के महाप्रबंधक कामाख्या प्रसाद आनंद और विभागीय अधिकारियों को सड़क पर फैले मलबे को हटाने व चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। पीडब्ल्यूडी को सड़क सुधार व गड्ढा भराई के कामों को तेज करने और निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी को समन्वय बनाए रखकर आवश्यक कार्रवाई करने कहा गया।

नगर आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर भी कड़ी फटकार लगाते हुए प्रमुख मार्ग पर तत्काल महा सफाई अभियान चलाने का आदेश दिया। दुकानदारों व प्रतिष्ठानों के बाहर फैली गंदगी व धूल के लिए नोटिस जारी करने हेतु नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश को निर्देश दिए गए।

निर्देशानुसार नगर निगम ने तुरंत महा अभियान शुरू कर दिया है। जल कल विभाग ने पानी का छिड़काव कराया, निर्माण विभाग ने निर्माण सामग्री हटाने का अभियान चलाया, जेसीबी व सफाई मित्रों ने सड़कों से धूल हटाने का काम किया और उद्यान विभाग ने ग्रीन बेल्ट व्यवस्थित करने का कार्य आरंभ कर दिया। नगर निगम ने बताया कि आगामी 10 दिन के भीतर उक्त मार्ग को पूर्ण रूप से

यूपी के आयुर्वेद छात्रों के लिए बड़ी खुशखबरी

पांच राजकीय कॉलेजों में जल्द शुरू होगा पीजी कोर्स

उत्तर प्रदेश के पांच राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेजों में परास्नातक (पीजी) कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव

प्रज्ञात ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के पांच राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेजों में परास्नातक (पीजी) कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव है। अभी राज्य के आठ कॉलेजों में से सिर्फ तीन में परास्नातक कोर्स पढ़ाया जाता है। आयुर्वेद निदेशालय ने प्रत्येक कॉलेज में पीजी की 20-20 सीटों शुरू करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। जिस पर जल्द मंजूरी की उम्मीद है। नये कॉलेजों में परास्नातक कोर्स की मंजूरी से न सिर्फ रसायनों पर शोध और उसकी गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि सर्दी, बुखार, जुकाम जैसे सामान्य रोगियों की एलोपैथी पर निर्भरता कम होगी।

प्रदेश सरकार के राजकीय आयुर्वेद कॉलेजों में से पीलीभीत, लखनऊ और वाराणसी ऐसे हैं, जहां आयुर्वेद में परास्तनाक की पढ़ाई होती है। इनमें सबसे अधिक 49 सीट लखनऊ राजकीय आयुर्वेद कॉलेज में हैं। 36 सीटें वाराणसी कॉलेज में और छह सीटे पीलीभीत कॉलेज में हैं। जबकि प्रत्येक वर्ष सिर्फ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेजों से 570 औसतन छात्र स्नातक (बीएएमएस) कोर्स की डिग्री लेकर निकलते हैं।

बढ़ा लोगों का विश्वास

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। आयुर्वेद के निदेशक डॉ.नरेन्द्र दास का आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है।
कोरोना के दौरान आयुष पद्धति की उपयोगिता को व्यापक रूप से महसूस किया गया। जिसके बाद आयुर्वेदिक शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

ऐसे में उनके सामने आगे की पढ़ाई के विकल्प सीमित हैं। राज्य में सिर्फ काशी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में आयुर्वेद परास्नातक की 40 सीटें हैं। गोरखपुर में महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में पीजी के 20 सीटों की मान्यता हुयी है। प्रवेश चल रहा है। ऐसे में बचे छात्रों के पास दूसरे राज्यों का ही विकल्प है।

इन्हीं दुश्वारी के मददेनजर आयुर्वेद अधिकारियों ने झांसी, बांदा, हंडिया (प्रयागराज), बरेली, मुजफ्फरनगर के राजकीय कॉलेजों में परास्नातक पाठ्यकक्रम शुरू करने का प्रस्ताव किया है। प्रस्ताव में शिक्षकों की उपलब्धता, अस्पतालों की सुविधाएं, प्रयोगशालाओं का विकास और अन्य आवश्यक संसाधनों का उल्लेख है। अधिकारियों का कहना है कि कॉलेजों में आधारभूत ढांचा पहले से मौजूद है। इससे पीजी कक्षाएं शुरू करने में अधिक कठिनाई नहीं आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि पीजी कोर्स शुरू होने से आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में शोध और विशेषज्ञता को बढ़ावा मिलेगा। बेहतर आयुर्वेदिक चिकित्सकों का संख्या बढ़ेगी।

कन्नौज में महिला अपराधों पर सपा के खिलाफ लगे होर्डिंग्स

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- पोस्टर मैंने लगवाए, मुकदमा करना है तो मुझ पर करो

प्रज्ञात समाचार

कन्नौज। कन्नौज में महिला अपराधों को लेकर सियासी संग्राम तेज हो गया है। जिले में रातों-रात समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कई होर्डिंग्स लगा दिए गए। सुबह होते ही सपाइयों में खलबली मच गई। पार्टी कार्यकताओं ने कई जगहों पर लगे होर्डिंग्स फाड़ डाले और फिर कलक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को ज्ञापन सौंपा।

सपा नेताओं ने विवादित होर्डिंग्स लगाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर खुले तौर पर होर्डिंग्स लगवाने की जिम्मेदारी लेते हुए सपाइयों को मुकदमा दर्ज कराने का चैलेंज दे दिया। जिसके बाद जिले का सियासी पारा और चढ़ गया है।

दरअसल, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कन्नौज सांसद अखिलेश यादव की तस्वीर वाली बड़ी-बड़ी होर्डिंग्स जिले के अलग-अलग इलाकों में रातों-रात लगाई गईं। इन होर्डिंग्स में सपा शासनकाल के दौरान महिलाओं के खिलाफ हुई घटनाओं का जिक्र किया गया। साथ ही सपा नेता आजम खान और नवाब सिंह यादव की तस्वीरों के साथ महिला अपराधों से जुड़ी खबरों की कटिंग भी लगाई गई थी। होर्डिंग्स सामने आने के बाद स्थानीय सपा नेताओं और कार्यकताओं में नाराजगी फैल गई। पार्टी कार्यकताओं ने कई जगहों पर पहुंचकर होर्डिंग्स को फाड़ दिया।

मामले की जानकारी मिलने के बाद सपा जिलाध्यक्ष कलीम खां कार्यकताओं के साथ कलक्ट्रेट पहुंचे। जहां उन्होंने डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री को ज्ञापन सौंपते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

इधर, मामला सोशल मीडिया तक पहुंच गया और दोनों दलों के नेताओं के बीच बयानबाजी शुरू हो गई। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरसिंह भदौरिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, ह्लसपाइयों को मेरा खुला चैलेंज है। अगर तुम्हारे नेताओं और पार्टी के काले कारनामों को उजागर करना अपराध है तो जाओ और मुझ पर मुकदमा लिखवाओ। पोस्टर फटने से इतिहास के काले पन्ने नहीं फटेंगे। सच का सामना करने का माद्दा रखिए। हमने डंके की चोट पर सपा के महिला विरोधी चेहरे को बेनकाब किया है ह्व

भाजपा जिलाध्यक्ष ने आगे लिखा कि, मैं खुलेआम कहता हूं कि पोस्टर मैंने लगवाए हैं। अगर मुकदमा करना है तो मुझ पर करो।

ई-रिक्शा चालक ने गर्मी से बचने को पहना हेलमेट

प्रज्ञात समाचार

बांदा। बांदा में भीषण गर्मी के बीच एक ई-रिक्शा चालक का अनोखा तरीका चर्चा का विषय बन गया है। शहर कोतवाली क्षेत्र के श्रीराम प्रजापति नामक चालक ने तेज धूप और लू से बचने के लिए हेलमेट पहनकर ई-रिक्शा चलाना शुरू कर दिया है। श्रीराम प्रजापति ने बताया कि बीते दिनों तेज गर्मी के कारण उनकी तबीयत खराब हो गई थी। उन्हें सिर में तेज दर्द, चक्कर और लगातार उल्टी की शिकायत हुई थी। इस घटना के बाद उन्होंने धूप से बचाव के लिए यह तरीका अपनाया। चालक के अनुसार, हेलमेट पहनने से सिर पर सीधी धूप नहीं लगती और गर्म हवा से भी काफी राहत मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि साफी (कपड़ा) पहनने से गर्म हवा नहीं रुकती और वह सीधे चेहरे पर लगती है। इसलिए उन्होंने 400 रुपये का नया हेलमेट खरीदा है। सड़क पर हेलमेट लगाकर ई-रिक्शा चलाते चालक को देखकर राहगीर भी हैरान रह गए। श्रीराम प्रजापति ने अन्य रिक्शा चालकों से भी अपील की है कि वे गर्मी से बचने के लिए हेलमेट पहनकर ही बाहर निकलें।

इन दिनों बांदा समेत पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। दोपहर के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते लोग गर्मी से बचने के लिए विभिन्न अनोखे तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक अपनी बाइक पर पेड़ की टहनियों से छाता बनाए हुए था।

तारों पर कपड़े सुखाने वाले बयान पर भड़के अखिलेश

बोले- जनता भाजपा को धो-पटककर सुखा देगी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जमकर तंज कसा

प्रज्ञात ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने वर्तमान सीएम योगी पर तंज कसा है। उन्होंने योगी के बिजली के तारों पर कपड़े सुखाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि अगले साल जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी।

सपा चीफ अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्यअगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उप्र के असफल मुख्यमंत्री ने ये नहीं कहा कि इस महा विद्युत आपदा के पीछे दिल्ली वालों के भेजे हुए दूत की साज़िश है। ये स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री जी आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। अगर आते हैं तो माननीय से अनुरोध है कि उनके कंधे पर हाथ रखकर एक तस्वीर आप पोस्ट कर दीजिए। जनता को आपकी आपसी गर्मी से तो राहत मिल जाएगी क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी एकांत में साथ देखा नहीं ह्ल अखिलेश ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, भाजपा राज में बिजली के सब-स्टेशनों पर पीएसी लगती है और विधायक-सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखकर, जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम करते हैं। अगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी।

शुक्र है उप्र के असफल मुख्यमंत्री जी ने ये नहीं कहा कि इस ह्यमहा विद्युत आपदाह्ल के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साज़िश है।

सपा सरकार में बिजली के तारों पर सुखाए जाते थे कपड़े: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बिजली संकट के मामले में विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि जिनके समय बिजली के तारों पर कपड़े सुखाए जाते थे आज वह सवाल उठा रहे हैं। सीएम ने जनता से भी अपील की लोग उतनी बिजली का इस्तेमाल करें जितनी जरुरता हो। अनावश्यक लाइट व एसी न चलाएं। एक ही लाइट जलाएं। उन्होंने नगर निगम व ग्राम पंचयतों से भी अपील की कि वह अनावश्यक स्ट्रीट लाइट न जलाएं। जहां जरुरत हो वहीं जलाएं। बिजली अकेले पावर कारपोरेशन का दायित्व नहीं है। इसे बचाने का दायित्व नागरिकों का भी है। उन्होंने कहा कि सरकार हर समस्या का समाधान कर रही है। डबल इंजन की सरकार इसका भी करेगी। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सपा सरकार में गरीबों के लिए मकान स्वीकृत नहीं होते थे। उनकी योजनाएं गरीबों-नौजवानों के लिए नहीं थीं। हमने जाति, क्षेत्र, मत-मजहब देखे बिना गरीब, युवा, महिला और किसान को केंद्र में रखकर काम किया। योगी ने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 65 लाख से अधिक गरीबों को आवास उपलब्ध कराए। सपा सरकार में शासन की योजनाओं का लाभ चुनिंदा परिवारों को मिलता था।

मुख्तार के बेटे अब्बास के नाम 8 हथियार

प्रज्ञात ब्यूरो

लखनऊ। नियमों के मुताबिक कोई व्यक्ति अधिकतम 2 लाइसेंसी हथियार ही रख सकता है, बशर्ते उसकी आपराधिक छवि न हो। हालांकि, यूपी में 6 हजार से ज्यादा ऐसे लोगों के पास लाइसेंसी हथियार हैं, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें राजा भैया, धनंजय सिंह, बृजभूषण शरण सिंह जैसे बाहुबली नेता भी शामिल हैं। कई के पास तय सीमा से ज्यादा हथियार हैं। हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद शासन स्तर पर डेटा जुटाया जा रहा है कि मुकदमे होने के बाद भी लाइसेंस किस आधार पर जारी किए गए। पढ़िए पूरी रिपोर्टङ्क

पत्नी का आरोप- राजा भैया के पास हथियारों का जखीरा: राजा भैया पर के खिलाफ हत्या की कोशिश, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी जैसी गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इसके बाद भी उनके नाम पर 3 असलहे हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में दिए हलफनामे के मुताबिक, उनके पास एक पिस्टल, एक राइफल और एक बंदूक है। हालांकि, उनकी पत्नी भानवी सिंह ने सितंबर, 2025 में वीडियो जारी कर आरोप लगाए थे कि राजा भैया के पास अवैध हथियारों का जखीरा है। इसी तरह गोंडा की कैसरगंज सीट से सांसद रहे बाहुबली बृजभूषण शरण सिंह के पास भी 3 असलहे हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में दिए हलफनामे के मुताबिक, उनके पास एक पिस्टल, एक राइफल और एक रिपीटर गन है। उनके खिलाफ टाडा समेत कई आपराधिक मामले दर्ज रहे हैं। हालांकि, सभी मामलों में वे बरी हो चुके हैं।

विधायक अब्बास अंसारी के पास 8 हथियार: मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ से विधायक अब्बास अंसारी अब्बास अंसारी पर हेट स्पीच, अधिकारियों को धमकी, मनी लॉन्ड्रिंग, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर समेत अलग-अलग धाराओं में 10 मुकदमे दर्ज हैं। इसके बावजूद उनके पास एक समय 8 हथियार थे। इनमें डबल बैरल गन, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल, और स्पोर्ट्स राइफल शामिल हैं।

टीचर ने शादी का झांसा देकर छात्रा का 9 साल तक किया शोषण

मुरादाबाद (संवाददाता)। यूपी के मुरादाबाद में एक शिक्षक ने छात्रा का रेप किया। बताया जा रहा है कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में प्राइवेट स्कूल के शिक्षक द्वारा छात्रा के शोषण का शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां साल 2016 में आरोपी ने आठवीं में पढ़ने वाली 14 वर्षीय किशोरी को फेल होने का डर दिखाकर गणित का ट्यूशन देने के बहाने बुलाना शुरू किया। शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया। पीड़िता के परिजनों ने उसका रिश्ता तय किया तो आरोपी ने मंगेतर को कॉल कर उसका रिश्ता भी तुड़वा दिया। सिविल लाइंस पुलिस ने को जेल भेज दिया है। मामले में थाना सिविल लाइंस क्षेत्र निवासी युवती ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर बताया कि साल 2016 में वह पब्लिक स्कूल में आठवीं कक्षा की छात्रा थी। उस समय उसकी उम्र 14 साल थी। पीड़िता के अनुसार उस स्कूल में सिविल लाइंस के मोरा मुस्तकम में रहने वाला अमरोहा के गांव मालीपुर निवासी जलज शिक्षक था। वह गणित में फेल होने का डर दिखाकर पीड़िता को ट्यूशनल के बहाने अपने घर ले जाने लगा।

खेती की जमीन को लीज पर देने के

नियम होंगे सरल, आसानी से मिलेगा बैंक कर्ज

प्रज्ञात ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खेती की जमीन लीज पर देने के नियम आसान बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। भारतीय रिजर्व बैंक, सार्वजनिक एवं निजी बैंकों के साथ हुई शासन व वित्त विभाग के अधिकारियों की बैठक में नीति आयोग के मॉडल एग्रीकल्चरल लैंड लीजिंग एक्ट-2016 को लागू करने पर विचार किया गया है। प्रस्ताव के तहत भूमिहीन, बटाईदार और किरायेदार किसानों को कानूनी मान्यता देकर बैंक ऋण, फसल बीमा और सरकारी योजनाओं के लाभ से जोड़ा जा सकता है।

सुझाव दिया कि एक्ट के मौजूदा प्रतिबंधों में ढील देकर लीज पर खेती करने वालों को तीन वर्ष की वैधता वाला लोन एलिजिबिलिटी कार्ड जारी किया जाए, जिससे वे बिना भूमि स्वामित्व दस्तावेज के और बिना भूमि को गिरवी रखे ऋण ले सकें। प्रदेश में 2.38 करोड़ से अधिक जोतधारक और औसत 0.73 हेक्टेयर जोत आकार होने के कारण ये सुधार किसानों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। सुरक्षा देना और उन्हें बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना है। इसके तहत जमीन मालिक अपनी कृषि भूमि लीज पर दे सकेगा, जबकि खेती करने वाले किसान को भूमि पर निर्बाध कब्जे और उपयोग का अधिकार मिलेगा। वर्ष 2016 में राजस्व संहिता में संशोधन कर ऐसे प्रावधान यूपी में किए गए थे, जिनके तहत दिव्यांग या खेती करने में असमर्थ व्यक्ति अपनी भूमि अधिकतम तीन वर्ष के लिए लीज पर दे सकते हैं। हालांकि, यह व्यवस्था सीमित दायरे में है। बैठक में भूमि अभिलेखों को आधार से जोड़ने तथा बैंकों को ऑनलाइन चार्ज सृजित करने की सुविधा देने का भी प्रस्ताव रखा गया।

निक्की भाटी मौत मामले में 9 महीने बाद समझौता

प्रज्ञात समाचार

गौतमबुद्धनगर। ग्रेटर नोएडा के चर्चित निक्की भाटी मौत प्रकरण में करीब नौ महीने से चला आ रहा विवाद अब सुलझता नजर आ रहा है। पंचायत की मध्यस्थता में दोनों परिवारों के बीच समझौता हो गया है। कई दौर की बातचीत के बाद बच्चों के भविष्य और पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए यह सहमति बनी।

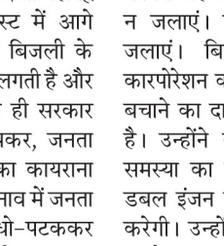

समझौते के तहत निक्की भाटी की बहन कंचन अपने ससुराल वापस जाएंगी। इसके अलावा निक्की के बच्चों के नाम संपत्ति हस्तांतरित करने पर भी दोनों परिवारों के बीच सहमति बनी है। परिवार के लोगों का कहना है कि यह फैसला बच्चों के अधिकार सुरक्षित करने और उनका भविष्य बेहतर बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, समझौते के बाद निक्की का परिवार अदालत में एफिडेविट दाखिल कर मामले को वापस लेने की कानूनी प्रक्रिया शुरू करेगा। बताया जा रहा है कि पंचायत में दोनों पक्षों के बुजुर्गों और समाज के गणमान्य लोगों के बीच लंबी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया।

मेरठ में रिश्वतखोर इंजीनियर को दौड़ाकर पकड़ा

ड्राइवर के जरिए एक लाख लिए थे दोनों चेहरा छिपाते जेल गए

प्रज्ञात समाचार

मेरठ। मेरठ में एंटी करप्शन टीम ने उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के जूनियर इंजीनियर (खए) को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा है। मंगलवार को जेई ने विभाग के ड्राइवर के जरिए रिश्वत ली थी।

ड्राइवर ने जैसे ही रुपए अपने हाथ में लिए, एंटी करप्शन टीम ने उसे पकड़ लिया। उसे लेकर टीम जेई के कार्यालय पहुंची। ड्राइवर को गिरफ्तार देखकर जेई भागने लगा। एंटी करप्शन टीम ने करीब 100 मीटर दौड़कर उसे पकड़ लिया। दोनों आरोपी अपना चेहरा छिपाते हुए जेल गए। एंटी करप्शन टीम ने यह कार्रवाई जिस ठेकेदार की शिकायत पर की थी, उसका 25 लाख रुपए का भुगतान फंसा हुआ था। पेमेंट करने बदले में एक लाख की रिश्वत मांगी थी। नहीं देने पर 10 महीने से भुगतान रोक रखा था। जबकि भुगतान की रकम विभाग के खाते में आ चुकी थी। ठेकेदार ने 2023 में कराया था काम बागपत के रहने वाले सत्येंद्र सिंह तोमर उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम में ठेकेदार हैं। उनकी चौधरी एसोसिएट नाम की फर्म है। 2020 में सत्येंद्र की फर्म को बागपत स्थित राजा मिहिर भोज डिग्री कॉलेज बेगमाबाद पाबला का ठेका मिला। उस पूरे ठेके की कास्ट 8.50 करोड़ रुपए थी। 2023 में उनके हिस्से का काम पूरा हो गया। काम पूरा होने के बाद सत्येंद्र ने भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी। सत्येंद्र का आरोप है कि बिल देने के बावजूद उनको पेमेंट नहीं किया गया। बताया गया कि बजट खत्म हो गया है, जैसे ही आएगा भुगतान करा देंगे। सत्येंद्र तोमर का कहना है कि जिस बजट का जिक्र विभाग करता था, वह भी आ गया।

2027 की तैयारी में बसपा, हर सीट पर जिताऊ चेहरे की तलाश

बसपा ने 2027 विधानसभा चुनावों की तैयारी तेज की। प्रत्येक विधानसभा सीट पर जिताऊ चेहरों की तलाश जारी। प्रत्याशी चयन में जातीय समीकरण, क्षेत्रीय प्रभाव अहम

प्रज्ञात समाचार

गोरखपुर। विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बसपा ने अपनी राजनीतिक तैयारी तेज कर दी है। प्रत्येक विधानसभा सीट पर मजबूत पकड़ वाले संभावित प्रत्याशियों की तलाश की जा रही है। पार्टी के पदाधिकारी जिताऊ चेहरे की तलाश कर रहे हैं। कुछ लोगों ने वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष अपनी इच्छा भी जाहिर की है। हालांकि स्क्रीनिंग (छानबीन) के बाद ही अंतिम निर्णय होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद में बसपा की तैयारी जोरशोर से चल रही है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआइआर) के बाद से पार्टी के पदाधिकारी बूथ स्तर पर सक्रिय हैं। ताकि हर विधानसभा क्षेत्र में वोटों को सहेजा जा सके। इसके साथ ही पार्टी के पदाधिकारी अनुसूचित जाति के साथ होने वाली घटनाओं की सूचना मिलने पर पीड़ितों से मिलकर जानकारी ले रहे हैं।

उधर 24 मई को लखनऊ में आयोजित बैठक में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय रहने और अभी से चुनावी रणनीति पर काम करने का निर्देश दिया है। इसके बाद मंडल और जिला स्तर पर बैठकें तेज हो गई हैं। बुधवार को सहजनवा में पार्टी की मंडलस्तरीय बैठक आयोजित की गई है।

पार्टी से जुड़े लोगों का कहना है कि इस बार प्रत्याशी चयन के लिए कई मानक होंगे। जातीय समीकरण, क्षेत्र में सक्रियता, जनसंपर्क, संगठन से जुड़ाव और स्थानीय प्रभाव को भी अहम आधार बनाया जाएगा। बसपा ऐसे चेहरों को आगे लाने की तैयारी में है, जिनकी जनता के बीच पहचान मजबूत हो और जो विभिन्न वर्गों में सहज स्वीकार्यता रखते हों।

संभावित दावेदारों की कई स्तर पर स्क्रीनिंग की जाएगी। संगठन की रिपोर्ट, क्षेत्रीय फीडबैक और चुनावों में प्रदर्शन के आधार पर टिकट तय होने की संभावना है। पार्टी पुराने समर्पित कार्यकताओं के साथ नए और युवा चेहरों पर भी नजर बनाए हुए है।

बसपा की रणनीति फिलहाल शांत रहकर संगठन को मजबूत करने और हर विधानसभा क्षेत्र का राजनीतिक समीकरण समझने की है। इसके लिए पदाधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहकर कार्यकताओं से लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश हैं। माना जा रहा है कि इस बार टिकट वितरण में बेहद सतर्कता बरतना चाहती है। ताकि मैदान में ऐसे प्रत्याशी उतारे जा सकें जो पार्टी को मजबूत स्थिति में ला सकें।

सबके लिए समान नियम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों एक समाचार पत्र के मंच पर नमाज के मुद्दे पर फिर सियासत गरमायी। इस बयान के बाद चर्चा इस पर बढ़ गयी। पहली बात तो यह कि योगी आदित्यनाथ किसी मुद्दे को यूं ही नहीं उछालते हैं. उन्होंने नमाज के मुद्दे को प्रशासनिक भाषा में पेश करने की कोशिश करते हुए 'सड़कें लोगों के लिए हैं' और 'क़ानून का राज' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया लेकिन बार-बार केवल नमाज़ का ही उल्लेख हुआ। किसी भी दूसरी तरह के सार्वजनिक अतिक्रमण या धार्मिक जमावड़े- जैसे कांवड़ यात्राओं के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई जिनका बढ़ता भव्य रूप और सांप्रदायिक झुकाव बार-बार सुर्खियों में रहा है। दरअसल मुख्यमंत्री जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में अब 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए माहौल तैयार किया जाने लगा है। ऐसे में हिंदुत्व की हांड़ी चढ़ाने से कोई कैसे पीछे रह सकता है, वह भी तब जब अभी पश्चिम बंगाल के चुनाव में इसी हांडी को चढ़ाकर भर-भरकर वोट हासिल किये गये। हर कोई जानता है कि बंगाल में कोई मुद्दा नहीं था। वैसे भी इस प्रदेश में काम कितना भी कोई भी सरकार कर ले, यहां काम पर वोट नहीं मिलता। अखिलेश यादव मेट्रो लाकर और आगरा एक्सप्रेस वे बनवाकर हार गये। मायावती गोमती नगर को नया जर्मनी बनाकर हार गयीं। योगी आदित्यनाथ ने काम किया लेकिन वोट हिदुत्व पर ही मांगा। 6900 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी चिल्लाते रह गये लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि यहां वोट मिलता है तो हिंदुत्व और मुस्लिम के मुद्दे पर ही। इसी के चलते आपने देखा होगा कि इस बार योगी आदित्यनाथ के नमाज वाले बयान पर न तो सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कोई बयान दिया और न हीं उनकी गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस ने। दोनों मुख्य विपक्षी दल जानते हैं कि इस मुद्दे पर अगर उन्होंने मुंह खोला तो विभाजन तय है और अगर हिंदू-मुस्लिम हुआ तो भाजपा की जीत तय है। इसीलिए जब भी उनसे पत्रकारों ने नमाज वाले मुद्दे की बात की तो वह शिक्षक भर्ती, भ्रष्टाचार, महंगाई और अपराध की बात करने लगे लेकिन इस पर कुछ नहीं बोले। अखिलेश यादव भी अब फूक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। अब वह सियासत का ककहरा सीख चुके हैं क्योंकि पिछले कई चुनावों से उनका मुकाबला धुरंधर प्रतियोगी योगी आदित्यनाथ से पड़ चुका है तो वह इसकी तैयारी में सारी वर्णमाला सीख गये हैं लेकिन फिर भी योगी आदित्यनाथ के शब्द कहां खत्म होंगे। वह तो अक्सर कहते भी दिखायी देते हैं कि जो जिस भाषा में समझेगा उसको उस भाषा में समझायेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर नमाज एक ऐसा मुद्दा है जिसको लेकर मुख्यमंत्री ने बयान दिया भले ही वह बयान प्रशासनिक हो या जनसुविधा से जुडा हो लेकिन केंद्र में मुस्लिम ही था। इस बयान के बाद हिंदू खुश है, यह तय है। उसको लगता है कि उसको अपना विकास तो उसकी मेहनत के बल पर ही होगा। सरकार कुछ नही करेगी तो कम से कम यह तो करे कि मुस्लिमों को रोके। इसीलिए आप देखिये तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार (18 मई) को अपने एक्स अकाउंट पर लगभग दो मिनट का एक वीडियो क्लिप भी साझा किया। इस वीडियो में उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर नमाज़ पढ़ने की बात की लेकिन एक बार भी 'मुस्लिम' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। आदित्यनाथ ने इस पोस्ट के साथ लिखाः 'नमाज़ पढ़नी है, आप शिफ्ट में पढ़िए... प्यार से मानेंगे, ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे...' उनके एक्स पर 3.2 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं। अब तक इस पोस्ट को 3.8 लाख से अधिक बार साझा किया जा चुका है, हालांकि यह कहना मुश्किल है कि इसे अधिक साझा करने वाले आलोचक हैं या उनके समर्थक। उनके बयान और उसको सुनने वालों ने नजरअंदाज नहीं किया- जब भी उन्होंने हिदुत्व या राष्ट्रवाद से जुड़े मुद्दों का जिक्र किया, सभा में तालियां गूंज उठती हैं। उन्होंने कहा, 'लोग मुझसे पूछते हैं, 'क्या आपके यूपी में सचमुच सड़कों में नमाज़ नहीं होती?' और मैं उनसे कहता हूं, 'कतई, नहीं होती है। आप खुद जाकर देख लो।' इस बात पर सुनने वाले तालियां बजाते हैं और नमाज़ बंद करवा दिए जाने के उनके दावे पर पूरे जोश के साथ अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। फिर योगी गरजते हुए कहते हैं, 'अरे, उन्हें (मुसलमान को) सड़क रोकने का क्या अधिकार है? किस हक से कोई भी आने-जाने का रास्ता रोक सकता है? इसके लिए जो जगह तय है, (मुसलमानों को) वहीं जाकर यह करना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'उन लोगों (मुसलमान) ने मुझसे कहा, 'यह कैसे मुमकिन होगा, हमारी संख्या ज़्यादा है।' हमने कहा शिफ्ट में कर लो, अगर तुम्हारे घर में रहने की जगह नहीं है, तो अपनी अपनी संख्या नियंत्रित कर लो।' इस बात पर फिर तालियां बजती हैं। इसलिए, जब सीएम योगी ने कहा, 'अगर तुम्हारे घर में जगह नहीं है, तो अपनी संख्या नियंत्रित करो।' और यह सब 'मुस्लिम' शब्द बोले बिना किया गया। उन्होंने व्यस्त सड़कों पर या त्योहारों के दौरान भीड़ प्रबंधन के लिए उनकी सरकार क्या प्रशासनिक उपाय या योजनाएं सोच रही है, यह नहीं बताया और न ही उन्होंने निजी तौर पर- यहां तक कि घरों में भी नमाज़ पढ़े जाने में हो रही रुकावटों का ज़िक्र किया। फिर सभा में तालियां बजीं, मानो लोग तुरंत ही इसके पीछे छिपे सांप्रदायिक अर्थ को समझ गए हों कि मुख्यमंत्री जनसंख्या विज्ञान की चर्चा नहीं कर रहे, बल्कि एक खास समुदाय को निशाना बना रहे हैं। देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य के मुख्यमंत्री, जहां लगभग 20% आबादी मुसलमानों की है, ने कहा, 'अगर आपको सिस्टम के भीतर रहना है तो नियम और कानून को मानना शुरू करें। उन्होंने कहा, 'अगर नमाज़ पढ़नी आवश्यक है तो आप शिफ्ट में पढ़िए, हम उसको रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर नहीं। सड़क आम लोगों के लिए है, बीमारों के लिए है (ताकि वे अस्पताल पहुंच सकें), मजदूरों के लिए, कारीगरों के लिए, व्यापारियों के लिए है, और हम सड़क को बाधित नहीं करने देंगे। सरकार का नियम सर्वभौम हैं, सबके लिए समान रूप से लागू होता है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'अगर वे प्यार से मान जाएं, तो ठीक है, नहीं तो हम दूसरा तरीका अपनाएंगे।' उन्होंने इस चेतावनी को बरेली का उदाहरण देते हुए जोड़ा और कहा कि वहां 'उन्होंने हमारी ताकत देख ली।'

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

आए थे जग जीतने, लौटे खाली हाथ
दादागीरी छिन गई,मिला न जिनपिंग साथ
मिला न जिनपिंग साथ,दुखी हैं ताईवानी
नाकों में दम किए हुए हैं ये ईरानी
कह सुरेश जो कहे युद्ध हमने रुकवाए
बोलें लोग लौटकर बुद्धू घर को आए

ममता राज के पीड़ितों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी

शुभेंदु सरकार ने तृणमूल कॉन्ग्रेस के 15 साल के काले शासनकाल के दौरान महिलाओं और बच्चों पर हुए अत्याचारों की जाँच के लिए एक हाई-लेवल विशेष आयोग बनाया है। जिसकी कमान एक निडर महिला आईपीएस अधिकारी दमयंती सेन को सौंपी है। सालों तक हाशिए पर रहने के बाद दमयंती सेन की यह वापसी बंगाल की कानून-व्यवस्था के लिए एक नया सवेरा है

पश्चिम बंगाल में 'माँ-माटी-मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई ममता बनर्जी सरकार को जनता ने क्यों नकार दिया। अब उनका असली चेहरा सामने आ रहा है जब उन्होंने अपनी ही सरकार की नाक के नीचे हुए एक खौफनाक गैंगरेप को 'मनगढ़ंत कहानी' बता दिया था। उस दौर में राजनीति के बड़े-बड़े धुरंधर मुख्यमंत्री ममता के सुर में सुर मिला रहे थे लेकिन एक निडर महिला आईपीएस अधिकारी दमयंती सेन ऐसी थीं जिन्होंने सत्ता के दबाव के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया। ममता सरकार ने सच को उजागर करने के बदले इस जांबाज अधिकारी को इनाम देने के बजाय सालों-साल हाशिए (साइडलाइन) पर धकेल कर रखा लेकिन कहते हैं न कि सच कभी हारता नहीं है। बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा और सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने तृणमूल कॉन्ग्रेस के 15 साल के काले शासनकाल के दौरान महिलाओं और बच्चों पर हुए अत्याचारों की जाँच के लिए एक हाई-लेवल विशेष आयोग बनाया है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने इस बेहद महत्वपूर्ण जाँच आयोग का 'सदस्य सचिव' दमयंती सेन को नियुक्त कर उन्हें वो सम्मान लौटाया है जिसकी वो हकदार थीं। दमयंती सेन 1996 बैच की भारतीय पुलिस सेवा की एक बेहद तेजतर्रार अधिकारी हैं। 1970 में जन्मी दमयंती पढ़ाई-लिखाई में बचपन से ही बेहद होनहार और हमेशा फर्स्ट क्लास रही हैं। उन्होंने कोलकाता के प्रतिष्ठित जादवपुर विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। उनकी काबिलियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह कोलकाता पुलिस के इतिहास में जॉइंट कमिश्नर (क्राइम) के पद पर तैनात होने वाली पहली महिला अधिकारी थीं। इसके बाद वे कोलकाता पुलिस की स्पेशल कमिश्नर भी बनीं। प्रशासनिक हलकों में उनकी ईमानदारी, कड़क स्वभाव और बिना किसी राजनीतिक दबाव के काम करने के अंदाज की मिसाल दी जाती है। 6 फरवरी 2012 को कोलकाता के आलीशान पार्क स्ट्रीट इलाके में एक नाइट क्लब से लौट रही महिला के साथ चलती कार में सामूहिक बलात्कार (पार्क स्ट्रीट गैंगरेप) होता है। तब ममता बनर्जी की तृणमूल कॉन्ग्रेस सरकार को सत्ता में आए कुछ ही समय हुआ था। अपनी सरकार की छवि को बचाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बिना किसी जाँच के इस भयानक कांड को 'सजानो घोटोना' (एक मनगढ़ंत कहानी) करार दे दिया। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कहा कि यह उनकी सरकार को बदनाम करने की एक राजनीतिक साजिश है। मुख्यमंत्री का यह बयान पीड़ित महिला के घावों पर नमक छिड़कने जैसा था। जानकारी के अनुसार ममता बनर्जी ने तो इसे झूठ मान लिया था लेकिन उस समय क्राइम ब्रांच की प्रभारी जॉइंट कमिश्नर दमयंती सेन चुप नहीं बैठीं। उन्होंने मुख्यमंत्री के राजनीतिक बयानों की परवाह न करते हुए पूरी लगन से जाँच की। दमयंती सेन और उनकी टीम ने वैज्ञानिक और पुख्ता सबूत जुटाए और यह साबित कर दिया कि बलात्कार की घटना कोई अफवाह नहीं बल्कि 100 फीसदी कड़वा सच थी। उन्होंने चंद दिनों के भीतर ही रसूखदार आरोपितों को दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया। बताया जाता है, ममता बनर्जी के दावों को झूठा साबित करना और पीड़ित महिला को न्याय दिलाना दमयंती सेन के करियर पर भारी पड़ गया। बौखलाई ममता सरकार ने केस सुलझने के तुरंत बाद ही उनका ट्रांसफर कोलकाता पुलिस मुख्यालय (लालबाजार) से हटाकर बैरकपुर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में एक बेहद मामूली और कम महत्वपूर्ण पद पर कर दिया। सरकार ने इसे 'रूटीन ट्रांसफर' कहा लेकिन पूरा बंगाल समझ गया था कि सच का साथ देने की वजह से एक ईमानदार अफसर को प्रताड़ित किया जा रहा है। इसके बाद टीएमसी के पूरे कार्यकाल में उन्हें मुख्यधारा से दूर रखा गया। हालाँकि, कलकत्ता हाई कोर्ट को उनकी ईमानदारी पर इतना भरोसा था कि अदालत ने 2014 के 'मध्यमग्राम बलात्कार कांड', साल 2022 के चार बड़े रेप केस और चर्चित रसिका जैन मौत मामले की जाँच सीधे दमयंती सेन को सौंप दी थी। जानकारों के अनुसार दमयंती सेन अपनी निजी जिंदगी को हमेशा मीडिया और लाइमलाइट से दूर रखती हैं। उनके माता-पिता या भाई-बहन के बारे में कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं है। उन्होंने जीवन में कभी शादी नहीं की लेकिन वह एक बेहद गौरवान्वित 'सिंगल मदर' हैं। उन्होंने एक बच्चे को गोद लिया है और अकेले ही उसका बेहतरीन पालन-पोषण कर रही हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ताबड़तोड़ और कड़े फैसले ले रहे हैं। पिछली सरकार के दौरान हुए संस्थागत भ्रष्टाचार, 'कट मनी', रिश्वतखोरी और महिलाओं-बच्चों के खिलाफ हुई हिंसा के खिलाफ उन्होंने कड़ा रुख अपनाया है। शुभेंदु सरकार ने इसके लिए दो अलग-अलग जाँच आयोगों का गठन किया है। पहला है संस्थागत भ्रष्टाचार की जाँच, जिसमें कलकत्ता हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस विश्वजीत बसु की अध्यक्षता में यह कमेटी काम करेगी, जिसमें एडीजी रैंक के अधिकारी जयरमन सदस्य-सचिव होंगे। दूसरा है महिला एवं बाल उत्पीड़न की जाँच, जिसमें रिटायर्ड जस्टिस समाप्ति चटर्जी की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी में आईपीएस दमयंती सेन को 'सदस्य सचिव' बनाया गया है। यह आयोग विशेष रूप से अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अल्पसंख्यक समुदायों की पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाएगा। ममता सरकार जहाँ अपराधियों को बचाने और सच छुपाने के आरोपों से घिरी रही, वहीं शुभेंदु सरकार ने सीधे जनता के द्वार जाने का फैसला किया है। यह विशेष आयोग आगामी 1 जून से राज्य के अलग-अलग थानों में जाकर 'जनसुनवाई' करेगा, जहाँ पीड़ित महिलाएँ बिना किसी डर के सीधे अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकेंगी। 1 जून से पहले दमयंती सेन की देखरेख में अधिकारियों की टीम पुराने सभी लंबित मामलों का डेटा जुटा रही है। सालों तक हाशिए पर रहने के बाद दमयंती सेन की यह वापसी बंगाल की कानून-व्यवस्था के लिए एक नया सवेरा है और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की न्यायप्रिय सोच का सबसे बड़ा प्रमाण बताया जा रहा है।

■ रामस्वरूप रावतसरे

बिहार की राजनीति के सियासी सम्राट

बिहार की राजनीति में जुझारू युवा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को केवल सुलझते हुए वर्तमान का एक नेता ही नहीं, बल्कि "भविष्य की राजनीतिक धुरी" के रूप में देखने वालों की संख्या पिछले 5 वर्षों में तेजी से बढ़ती ही जा रही है और यह सिलसिला निरंतर आगे भी चलता रहेगा। ऐसा इसलिए कि उनके पीछे कई राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक कारण सक्रिय हैं, जो उन्हें राजनीतिक रूप से अजेय बनाते हैं। आइए इन्हें समझते हैं विस्तार से- पहला-बिहार में भाजपा के भीष्म पितामह कैलाशपति मिश्रा के संजोए हुए सपनों को पूरा करते हुए पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बनने का ऐतिहासिक महत्व है। निःसन्देह साल 2026 में सम्राट चौधरी का बिहार का मुख्यमंत्री बनना भाजपा के लिए ऐतिहासिक मोड़ माना गया क्योंकि पहली बार बिहार में भाजपा ने मुख्यमंत्री पद अपने हाथ में लिया। इससे प्रदेशवासियों में यह संदेश गया कि भाजपा अब बिहार में "जूनियर पार्टनर" नहीं रहना चाहती बल्कि पार्टी ने बिहार में अपना सूझबूझ युक्त स्वतंत्र नेतृत्व स्थापित कर दिया। पार्टी मामलों के जानकारों की मानें तो अब सम्राट चौधरी को केवल अंतरिम चेहरा नहीं बल्कि दीर्घकालिक नेतृत्व के मोहरे के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है जो ओबीसी सियासत के लिए सौभाग्य की बात है चूंकि उनमें सामाजिक न्याय के सूत्रधार लालू प्रसाद वाली हाजिर जवाबी, सुशासन बाबू नीतीश कुमार वाली सियासी चतुराई के अलावा सद्भावी कैलाशपति मिश्रा वाली सूझबूझ भी भरी हुई है जिससे हरेक जाति-धर्म के लोगों में उनकी स्वीकार्यता

दिनप्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। दूसरा, सामाजिक समीकरणों में मजबूत पकड़ः बिहार की राजनीति के भाजपाई नव चाणक्य सम्राट चौधरी का सबसे बड़ा राजनीतिक बल उनका व्यापक सामाजिक आधार माना जाता है। चूंकि वे पिछड़े वर्ग, विशेषकर कुशवाहा-कोइरी यानी लव कुश समाज या त्रिवेणी संघ से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक प्रभाव रखता है। इससे भाजपा को लालू प्रसाद/नीतीश कुमार के सामाजिक न्याय के बीच यादव बनाम गैर-यादव ओबीसी राजनीति में बढ़त मिली ही, साथ ही ग्रामीण वोटबैंक में विस्तार आया, और मंडल राजनीति का नया जवाब देने का अवसर मिला। चूंकि भाजपा लंबे समय से बिहार में एक ऐसा चेहरा खोज रही थी जो हिंदुत्व, ओबीसी राजनीति, और संगठनात्मक निष्ठा तीनों को एक साथ लेकर चल सके। लिहाजा सम्राट चौधरी उस समीकरण में फिट बैठते दिखे। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि राजपूत, भूमिहार, ब्राह्मण, वैश्य, दलितों के साथ-साथ प्रगतिशील यादवों पर भी पूरी पकड़ है, जिसका फायदा भाजपा नीत एनडीए को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उन्होंने दिलवाया और पुरस्कार स्वरूप पहले गृहमंत्री, फिर मुख्यमंत्री बने। तीसरा, व्यवहारिक आक्रामक भरा लेकिन नियंत्रित राजनीतिक शैलीः राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि सम्राट चौधरी की राजनीति, तेजस्वी यादव की तरह ही पलटवारी आक्रामक, लेकिन संगठन के प्रति अनुशासित मानी जाती है। वे सड़क से लेकर सदन तक मुखर सियासी शैली अपनाते रहे हैं। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं में ऊर्जा पैदा हुई। भाजपा नेतृत्व अक्सर ऐसे नेताओं को आगे बढ़ाता है जो जनसभाओं में भीड़ खींच सकें, विपक्ष पर हमला कर सकें, और संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठावान रहें। ये सभी गुण सम्राट चौधरी में कूट कूट कर भरे हुए हैं। इसलिए उनका सियासी उदय पूर्वी भारत की राजनीति में अहम मायने रखती है। चौथा, दिल्ली नेतृत्व का भरोसाः भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की राजनीति में "विश्वसनीय नेतृत्व" बहुत महत्व रखता है। चूंकि सम्राट चौधरी इन कसौटियों पर भी खरे उतरते हैं, इसलिए उनपर सबका भरोसा बढ़ा है। वाकई सम्राट चौधरी जमीनी संगठन से निकले नेता हैं, जो भाजपा की स्थापित लाइन से थोड़ा-सा भी विचलित नहीं होते, और गठबंधन राजनीति को भी संभालने की क्षमता रखते हैं। यही कारण है कि बिहार में नेतृत्व परिवर्तन के समय उनके नाम पर सहमति बनी। इससे भाजपा की सूबाई राजनीति को एक नई धार मिली है। पांचवां, सूबाई चाणक्य नीतीश युग के बाद की राजनीति का केंद्र बना सम्राट युगः बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लंबे राजनीतिक दौर के बाद बिहार में नेतृत्व का संक्रमण होना तय माना जा रहा था। ऐसे विचित्र समय में भी भाजपा ने युवा, ओबीसी, और आक्रामक राजनीतिक छवि वाले नेता के रूप में सम्राट चौधरी को आगे बढ़ाकर भविष्य की राजनीति का संकेत दे दिया है। इसका उद्देश्य केवल सरकार चलाना नहीं, बल्कि अगले 10–15 वर्षों का राष्ट्रवादी राजनीतिक आधार तैयार करना भी माना जा रहा है। पार्टी की इस रणनीति को अमलीजामा पहनाने के प्रति सम्राट चौधरी ने भी प्रतिबद्धता दिखाई है। छठा, सत्ताप्रतिष्ठान की राह में चुनौतियाँ भी कम नहींः हालाँकि सम्राट चौधरी के सामने कतिपय बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिसमें बेरोजगारी, पलायन, कानून व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य, जातीय संतुलन, और गठबंधन राजनीति के प्रबंधन में सम्राट चौधरी निरंतर सधी चाल चल रहे हैं और अहम फैसले ले रहे हैं। इससे बिहार वासियों के दिलोदिमाग पर सकारात्मक असर पड़ा है। भले ही सियासी ईर्ष्यावश विपक्ष लगातार उनकी सरकार को अपराध और प्रशासनिक मुद्दों पर घेर रहा है लेकिन सम्राट चौधरी लगातार विकास, रोजगार, और प्रशासनिक सुधार पर ठोस परिणाम देते नजर आते हैं, इसलिए सूबे में "भविष्य के नेता" वाली उनकी छवि स्थायी बनती जा रही है।

■ कमलेश पांडेय

छोटे शहरों की बड़ी उड़ान

राजस्थान में भारत-पाक सीमा पर बसे श्रीगंगानगर के युवा क्रिकेटर मानव सुथार का भारतीय टेस्ट टीम में चयन केवल एक खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं है बल्कि यह चयन उन युवाओं के लिए भी उम्मीद की खबर है जो छोटे शहरों में सीमित संसाधनों के बीच अपने सपने संजोते हैं। 23 वर्षीय खब्बू खिलाड़ी मानव को अफगानिस्तान के खिलाफ घोषित टेस्ट श्रृंखला के लिए पहली बार भारतीय टीम में जगह मिलना श्रीगंगानगर, राजस्थान और उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा का क्षण है जो यह मानते हैं कि लगातार मेहनत किसी भी खिलाड़ी को आगे ले जा सकती है। भारत में लंबे समय तक यह धारणा रही है कि खेलों में बड़ा नाम बनाने के लिए बड़े शहरों, महंगे प्रशिक्षण केंद्रों और मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि की जरूरत होती है। क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल में तो मुंबई, दिल्ली, चेन्नई या बेंगलुरु जैसे महानगरों का दबदबा स्पष्ट दिखाई देता था लेकिन पिछले कुछ सालों में यह तस्वीर बदल रही है। छोटे शहरों और कस्बों से निकलने वाले खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। मानव सुथार की उपलब्धि बताती है कि अब छोटे शहरों के खिलाडिय़ों के लिए भी रास्ते खुल रहे हैं। श्रीगंगानगर निवासी मानव सुथार एक सामान्य परिवार से आते हैं। उनके पिता जगदीश सुथार एक स्कूल शिक्षक हैं और मां सुशीला देवी गृहिणी हैं। साधारण परिवार से आने वाले मानव के लिए क्रिकेट तक पहुंचना आसान नहीं रहा होगा लेकिन उन्होंने लगातार मेहनत की जिसका परिणाम आज सामने है। मानव ने मात्र 10 वर्ष की उम्र में क्रिकेट को अपना जुनून बना कर इस खेल को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया था। मानव ने क्रिकेट को सिर्फ शौक नहीं बल्कि लक्ष्य बनाया। स्थानीय स्तर से शुरू हुआ उनका सफर धीरे-धीरे मजबूत होता गया। श्रीगंगानगर टीम के कप्तान के रूप में उन्होंने अंडर-14 और अंडर=16 स्तर पर सफलता दिलाई। यह उपलब्धियां केवल ट्रॉफी जीतने तक सीमित नहीं थीं बल्कि इन उपलब्धियों ने उन्हें स्थानीय क्रिकेट में एक पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने राजस्थान अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 टीमों तक अपनी जगह बनाई। प्रतिभा के साथ निरंतर प्रदर्शन कितना जरूरी होता है, यह इससे पता चलता है। यकीनन, रणजी ट्रॉफी तक पहुंचना किसी भी घरेलू खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। वर्ष 2022 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले मानव ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। मानव ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। आईपीएल में गुजरात टाइटंस की टीम का हिस्सा होना भी उनके करियर का अहम चरण रहा। भले ही उन्हें सीमित मौके मिले लेकिन कई बार खिलाड़ी की असली परीक्षा मैदान पर कम अवसर मिलने के बावजूद खुद को तैयार रखने में होती है। जाहिर है, मानव ने धैर्य नहीं खोया। सीमित मौके मिलने के बावजूद उन्होंने अपनी तैयारी और प्रदर्शन जारी रखा। मानव का चयन राजस्थान के लिए भी महत्वपूर्ण है। लंबे अंतराल के बाद राज्य के किसी खिलाड़ी को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिलना यह साबित करता है कि राजस्थान जैसे राज्यों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अक्सर छोटे शहरों में खेल सुविधाओं, कोचिंग, मैदानों और आर्थिक सहयोग की कमी देखी जाती है।

■ अमरपाल सिंह वर्मा

आज का कार्टून

साभार

किसान की सबसे बड़ी फसल अनाज नहीं, धैर्य

हाँ, मैं गरीब किसान के रूप में कॉकरोच हूँ। मैं वही जीव हूँ जो हर साल मरता भी है और हर साल फिर खेत में उग आता है। मौसम मुझे मारता है, सरकार मुझे समझाती है, बैंक मुझे धमकाता है, साहूकार मुझे निचोड़ता है, मंडी मुझे लूटती है और समाज मुझे "अन्नदाता" कहकर भाषणों में अमर कर देता है। मैं इस देश का सबसे सम्मानित अपमान हूँ। मंचों पर मेरा जयघोष होता है और वास्तविक जीवन में मेरी जेब में बस मुड़े हुए नोट, खाद का बिल और कर्ज की पर्चियाँ रहती हैं। मैं वह आदमी हूँ जो पूरे देश का पेट भरता है, लेकिन रात में अपने घर में रोटी गिनकर खाता है। और फिर भी मैं जिंदा हूँ। इसलिए नहीं कि मैं मजबूत हूँ, बल्कि इसलिए कि मैं कॉकरोच हूँ हर आपदा के बाद भी जिंदा बच जाने वाला जीव। पहले मैं किसान था। अब मैं मौसम विभाग, बैंक, सरकारी योजना, खाद की दुकान, बिजली विभाग, बीमा कंपनी, मोबाइल के कृषि संदेश, मंडी दलाल और चुनावी घोषणा पत्रों के बीच फँसा हुआ एक जीवित प्रयोग हूँ। मेरे दादा बैलों से खेती करते थे। मेरे पिता कर्ज लेकर खेती करते थे। और मैं मोबाइल पर मौसम देखकर कर्ज लेकर खेती करता हूँ। प्रगति देख रहे हैं न? बस आत्महत्या का तरीका आधुनिक हो गया है। सुबह जब मैं खेत में जाता हूँ तो धरती मुझे माँ नहीं लगती, किस्तों पर ली गई जिम्मेदारी लगती है। ऊपर सूरज ऐसे चमकता है जैसे बिजली विभाग का बकाया नोटिस। खेत में खड़ी फसल को देखकर मैं खुश नहीं होता, डर जाता हूँ। क्योंकि फसल जितनी बड़ी होगी, उतना बड़ा डर होगा। कहीं ओलावृष्टि न आ जाए, कहीं बारिश न रुक जाए, कहीं बारिश ज्यादा न हो जाए, कहीं बीमारी न लग जाए, कहीं मंडी में भाव न गिर जाए। किसान इस देश का शायद इकलौता आदमी है जो अच्छी फसल देखकर भी घबराता है। कॉकरोच की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि वह हर हालत में जीवित रहता है। बिल्कुल मेरी तरह। सूखा पड़े मैं जीवित। बाढ़ आए मैं जीवित। फसल चौपट हो जाए

मैं जीवित। सरकार मुआवजा घोषित करे और पैसा रास्ते में ही मर जाए, मैं फिर भी जीवित। मेरी पूरी जिंदगी "अगले सीजन" के भरोसे चलती है। किसान वर्तमान में नहीं जीता। वह हमेशा अगले मौसम में जीता है। और यही उसकी सबसे बड़ी त्रासदी है। मुझे सबसे अधिक हास्य सरकारी घोषणाओं में आता है। नेता मंच से कहता है "किसानों की आय दोगुनी होगी।" मैं ताली बजाता हूँ क्योंकि रोऊँगा तो लोग कहेंगे नकारात्मक आदमी है। हर साल कोई नई योजना आती है। योजना का नाम इतना लंबा होता है कि उतने में आधा खेत नापा जा सकता है। अधिकारी कहते हैं "ऑनलाइन आवेदन कीजिए।" अब उन्हें कौन समझाए कि गाँव में नेटवर्क ढूँढ़ना कई बार पानी ढूँढ़ने से कठिन होता है। और यदि किसी तरह आवेदन हो भी जाए तो पता चलता है कि खाते में 2000 रुपये आए हैं। उतने में तो आजकल खाद की दुकान वाला मुस्कुराता भी नहीं। कॉकरोच अँधेरे में पलता है। किसान आश्वासनों में। चुनाव के समय अचानक पूरा देश किसानमय हो जाता है। नेता खेत में उतरता है। साफ जूते पहनकर कीचड़ में फोटो खिंचवाता है। हाथ में हल पकड़ता है मानो अभी ट्रैक्टर को संस्कृत पढ़ाने वाला हो। "किसान देश की रीढ़ है।" और मैं सोचता हूँ। इस देश की रीढ़ इतनी झुक चुकी है कि अब सीधी होने के बजाय टूटने लगी है। मंडी मेरे जीवन का सबसे बड़ा व्यंग्य है। सालभर खेत में जान तोड़ो, फिर मंडी जाओ और वहाँ पता चले कि तुम्हारी फसल का भाव उतना है जितने में शहर में लोग एक शाम पिज्जा खा लेते हैं। दलाल मुझे ऐसे देखता है जैसे मैं गेहूँ नहीं, अपनी मजबूरी बेचने आया हूँ। वह कहता है-"भाव गिर गया है।" मैं पूछता हूँ- "क्यों?" वह कहता है- "बाजार ऐसा है।" यह "बाजार" भी बड़ा रहस्यमय जीव है। जब किसान बेचता है तब भाव गिर जाता है, और जब वही गेहूँ शहर में पहुँचता है तब महँगाई बढ़ जाती है। बीच का पैसा कहाँ जाता है? शायद उसी जगह जहाँ से चुनावी वादे बनते हैं। धीरे-धीरे मैंने समझ लिया कि किसान की सबसे बड़ी फसल अनाज नहीं, धैर्य होती है।

■ डॉ. शैलेश शुक्ला

पेड्डी का धमाकेदार डांस नंबर 'हेल्लाल्लालो' रिलीज

साल की सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्म 'पेड्डी' का मोस्ट-अवेटेड ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ है, और राम चरण व जाह्नवी कपूर अपनी इस फ्रेश जोड़ी के साथ स्क्रीन पर जादू बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कई सारे स्पोर्ट्स के इर्द-गिर्द बुनी गई इस कहानी में ग्रामीण मैदानों से लेकर इंटरनेशनल अखाड़ों तक का सफर दिखाया गया है, जो वाकई दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधकर रखता है। इस गाने में इतनी ज़बरदस्त और क्रेजी एनर्जी है कि यह पूरे देश को थिरकने पर मजबूर कर सकती है। अपने सोशल मीडिया पर पेड्डी का नया गाना 'हेल्लाल्लाल्लो' रिलीज़ करते हुए मेकर्स ने एक बेहद कैची कैप्शन लिखा, अब 'हेलो' को कहें अलविदा, अब से हर तरफ गूंजेगा सिर्फ #Hellallallo वीडियो सॉन्ग हुआ आउट। पेड्डी 4 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। भोपाल में 23 मई को फिल्म 'पेड्डी' के लिए अब तक के सबसे बड़े म्यूजिकल इवेंट का आयोजन किया गया। इस भव्य इवेंट में फिल्म की पूरी स्टार कास्ट शामिल हुई, जिसमें राम चरण, जाह्नवी कपूर, रवि किशन, शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू के साथ-साथ डायरेक्टर बुची बाबू सना और लेजेंड्री म्यूज़िक कंपोज़र ए. आर. रहमान भी मौजूद रहे।

बॉलीवुड की सबसे हॉट और फिट दीवाज में शुमार मलाइका अरोरा एक बार फिर इंटरनेट पर अपनी बोल्डनेस से तहलका मचा रही हैं। हाल ही में मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। तस्वीरों में मलाइका व्हाइट कलर के बाथरोब में बेहद रिलैक्सिंग और सिजलिंग अंदाज में नजर आ रही हैं।

52 की उम्र में भी फायर हैं मलाइका

फैंस उनकी फिटनेस और कातिलाना अदाओं को देखकर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि एक्ट्रेस 52 साल की उम्र पार कर चुकी हैं। मलाइका अरोरा ने एक बेहद ही आरामदायक और क्लासिक व्हाइट वेफल-वीव बाथरोब कैरी किया हुआ है। बिना किसी तामझाम या हैवी ज्वेलरी के, सिर्फ इस विंटर-व्हाइट लाउंजवियर में भी मलाइका का लुक किसी हाई-फैशन मैगजीन के कवर जैसा नजर आ रहा है। मलाइका ने इस फोटोशूट के लिए एक शानदार आउटडोर लाउंज एरिया को चुना है, जहां वो बड़े सोफे पर लेटकर एक से बढ़कर एक कातिलाना और सेक्सी पोज दे रही हैं। तस्वीरों में मलाइका के चेहरे पर पड़ती धूप और छांव का इल्यूजन उनके हर पोज को और भी ज्यादा अट्रैक्टिव बना रहा है। सोफे पर लेटकर अपने टोन्ड लेग्स को फ्लॉन्ट करने का उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बंद आंखों के साथ धूप का आनंद लेते हुए और कैमरे की तरफ देखते हुए उनके चेहरे का ग्लो साफ देखा जा सकता है। उन्होंने 'नो-मेकअप' मेकअप लुक को चुना है।

'वेलकम टू द जंगल' का धमाकेदार गाना

'घिस घिस घिस' रिलीज

अपनी विशाल स्टारकास्ट और बड़े कॉमिक यूनिवर्स को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में बनी हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' ने अब अपना नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज कर दिया है। यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार संगम है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेज़ेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है। भव्य सेट्स, रंग-बिरंगे विजुअल्स, फेस्टिव वाइब्स और वायरल होने वाले हुक स्टेप्स के साथ 'घिस घिस घिस' को पूरी तरह मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं। अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी तरह छा गए हैं। विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज़ किया गया 'घिस घिस घिस' हाई एनर्जी, देसी स्वैग और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है। विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाज़ों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में 'वेलकम' फ्रेंचाइज़ी की वही रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को ज़िंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं। गाने को लेकर बात करते हुए कंपोज़र और सिंगर विक्रम मोंट्रोस ने कहा, 'घिस घिस घिस' को हम पूरी तरह बेफिक्र और खुलकर एंजॉय किए जाने वाला गाना बनाना चाहते थे।

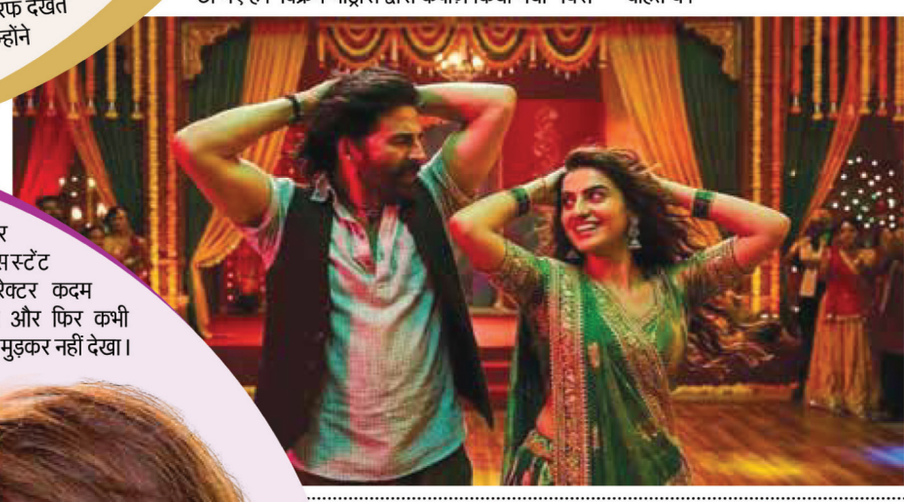

प्राइम वीडियो लेकर आ रहा पैसे और धोखे की दमदार कहानी

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज़ 'द पिरामिड स्कीम' की वर्ल्डवाइड प्रीमियर डेट के रूप में 5 जून की घोषणा की है। द वायरल फीवर द्वारा प्रोड्यूस, श्रेयांश पांडे द्वारा क्रिएटेड और आशीष आर शुक्ला व श्रेयांश पांडे द्वारा डायरेक्टेड यह ड्रामा सीरीज़ पिरामिड स्कीम्स की दिलचस्प लेकिन जटिल दुनिया और जल्दी पैसा कमाने के खतरनाक लालच को एक्सप्लोर करती है। अक्षेंद्र मिश्रा द्वारा लिखित इस सीरीज़ में परमवीर सिंह चीमा, रणवीर शौरी, शेखर सुमन, अंजन श्रीवास्तव, अल्फिया जाफ़री और आशीष राघव लीड रोल्स में नज़र आएंगे। साथ ही अखिलेन्द्र मिश्रा, स्मिता बंसल, विजय कुमार, इंद्रेश मलिक, रवि बहल, सुशांत सिंह, सोनल झा और सदानंद पाटिल जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में सपोर्ट करते दिखेंगे।

'द पिरामिड स्कीम' प्राइम वीडियो की प्राइम डे के लिए तैयार ब्लॉकबस्टर लाइनअप में शामिल हो रही है। इस जुलाई, अमेज़न प्राइम डे भारत में अपने दसवें एडिशन के साथ वापस आ रहा है। प्राइम मेंबर्स इसमें शानदार डील्स, बड़ी बचत, एक्साइटिंग नए लॉन्चेस और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट जैसी कई चीज़ों की उम्मीद कर सकते हैं। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हरिद्वार की पृष्ठभूमि पर आधारित 'द पिरामिड स्कीम' की कहानी गोल्डी (परमवीर सिंह चीमा द्वारा निभाए गए किरदार) के इर्द-गिर्द घूमती है। गोल्डी एक आकर्षक और कुछ नया करने की चाह रखने वाला ऐसा युवा है जो एक बेहतर जिंदगी की तलाश में है, लेकिन किसी तरह वह पिरामिड मार्केटिंग की चकाचौंध भरी और अजीब तरह से लुभावनी लगने वाली दुनिया में खिंचा चला जाता है। जैसे ही वह ज़मीन से जुड़े और बेहद ईमानदार स्वभाव के मनोज श्रीवास्तव (रणवीर शौरी) के साथ हाथ मिलाता है, एक बेहतर जीवन की उसकी चाहत जल्द ही लालच, महत्वाकांक्षा और धोखे के चलते एक डार्क मोड़ ले लेती है। आज के समय के 'हसल कल्चर' में लिपटी 'द पिरामिड स्कीम' किसी भी कीमत पर सफलता पाने की अंधी दौड़ में चुकाई जाने वाली भारी भावनात्मक और मानवीय कीमत को बयां करती है। प्राइम वीडियो, इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ कंटेंट लाइसेंसिंग, मनीष मेंघानी ने कहा, प्राइम वीडियो में, हम भारत की विविध आवाज़ों और आकांक्षाओं को दर्शाने वाली प्रामाणिक, भावनात्मक रूप से जुड़ने वाली कहानियों को बढ़ावा देने के लिए कमिटेड हैं। हमारी आगामी ड्रामा सीरीज़ 'द पिरामिड स्कीम' इसी का एक बेहतरीन उदाहरण है।

ट्विंकल खन्ना के प्यार में दीवाने थे करण जौहर

भारतीय सिनेमा मेंजब भी दिल छू लेने वाले संगीत और हाई-वोल्टेज रोमांस की बात होती है, तो दिमाग में सबसे पहला नाम करण जौहर का आता है। अपनी फिल्मों में प्यार की नई परिभाषा गढ़ने वाले मशहूर निर्माता-निर्देश और 'धर्मा प्रोडक्शंस' के कर्ता-धर्ता करण जौहर 25 मई को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं।

54 साल की उम्र में भी कुंवारे करण जौहर भले ही रियल लाइफ में आज तक 'दूल्हा' न बने हों, लेकिन उनकी जिंदगी में एक दौर ऐसा भी था जब वे बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना के प्यार में पूरी तरह गिरफ्तार थे। करण जौहर के जन्मदिन के इस खास मौके पर जानते हैं उनकी जिंदगी,करियर और उनकी उस अधूरी-एकतरफा लव स्टोरी के बारे में, जिसके किस्से

आज भी बॉलीवुड गलियारों में मशहूर हैं। 1972 में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में जन्मे करण जौहर के खून में ही सिनेमा था। उनके पिता यश जौहर फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज प्रोड्यूसर और धर्मा प्रोडक्शंस के फाउंडर थे। करण की शुरुआती शिक्षा मुंबई के प्रतिष्ठित ग्रीन लॉन हाई स्कूल और फिर एचआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से हुई। बहुत कम लोग जानते हैं कि पिता यश जौहर चाहते थे कि करण एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाएं। पिता की इच्छा का मान रखते हुए करण ने साल 1989 में दूरदर्शन के मशहूर टीवी सीरियल 'श्रीकांत' बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर कदम रखा और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

से अपने अभिनय सफर की शुरुआत भी की। लेकिन करण का दिल कैमरे के आगे नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे धड़कता था। आखिरकार, उन्होंने कल्ट क्लासिक फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (DDLJ) में

सलमान खान का इंस्टाग्राम अकाउंट 30 मिनट ने लिए हुआ गायब

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सलमान के फैंस उस समय शॉक्ड हो गए जब उनका इंस्टाग्राम अकाउंट अचानक गायब हो गया। इंस्टाग्राम पर उनके 72 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। सोमवार दोपहर को उनका ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट अचानक इनएक्सेसिबल हो गया।

यूजर्स जब सलमान खान के इंस्टाग्राम अकाउंट 'beingssalmankhan' पर जा रहे थे, तो उन्हें "Sorry, this page isn't available" का संदेश मिल रहा था। अकाउंट के इस तरह अचानक गायब होने से सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। हालांकि, फैंस की यह बेचैनी ज्यादा देर नहीं टिकी और लगभग 20 से 30 मिनट के भीतर ही सलमान खान का अकाउंट वापस लाइव हो गया। अभी तक सलमान खान या उनकी पीआर टीम की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं आया है कि यह कोई तकनीकी खराबी थी, सुरक्षा कारणों से किया गया अस्थायी डिएक्टिवेशन था या फिर हैकिंग की कोई कोशिश। भले ही अकाउंट गायब होने की असली वजह सामने न आई हो, लेकिन यूजर्स इसके समय को लेकर लगातार चर्चा कर रहे हैं। दरअसल, यह घटना सलमान खान द्वारा मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के बाहर पैपराजी के व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताने और सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर करने के ठीक बाद हुई है। सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म 'सिकंदर' में नजर आए थे। वह जल्द ही फिल्म 'मातृभूमि' में दिखेंगे। इस फिल्म की रिलीज डेट काफी समय से अटकी हुई है। इसके अलावा, सलमान खान ने साउथ के दिग्गज डायरेक्टर वम्शी पैदीपल्ली और निर्माता दिल राजू के साथ अपनी अगली बड़ी एक्शन-थ्रिलर फिल्म की घोषणा की है, जो अप्रैल 2026 से फ्लोर पर आ चुकी है।

रणवीर को डॉन 3 छोड़ना पड़ा महंगा! FWICE ने लगाया इंडस्ट्री में बैन

बॉलीवुड के उभरते सितारे माने जाने वाले रणवीर सिंह के खिलाफ फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉई (FWICE) ने एक बड़ा कदम उठाया है। एक्टर पर FWICE ने बैन लगा दिया है। उनके खिलाफ नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव जारी कर दिया गया है। पूरी इंडस्ट्री को बोल दिया गया है कि अब रणवीर के साथ काम ना किया जाए। माना जा रहा है कि ये फैसला फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 शूटिंग से कुछ दिन पहले अचानक छोड़ने की वजह से लिया गया है।

रणवीर की बढ़ी मुसीबतें

FWICE फरहान अख्तर और रणवीर सिंह के बीच चल रहे डॉन 3 विवाद को लेकर मध्यस्थता के लिए शामिल हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, फेडरेशन के चीफ एडवाइजर अशोक पंडित ने इस मामले को काफी गंभीर बताया और एक्टर्स के बदलते ट्रेंड पर चिंता जताई थी, जो फिल्म शूटिंग शुरू होने से कुछ दिनों पहले छोड़कर चले जाते हैं। अशोक पंडित ने साफ किया था कि वो इस मामले में एक मीटिंग करेंगे, और फिर कोई फैसला लेंगे। डॉन 3 फिल्म पहले से ही काफी देरी का सामना कर रही थी और अपनी बड़ी-बड़ी सितारों वाली कास्टिंग की वजह से लोगों में खूब चर्चा में है। पहले बताया गया था कि FWICE के प्रेजिडेंट बीएन तिवारी, चीफ एडवाइजर अशोक पंडित, चीफ सेक्रेटरी अशोक दुबे और ट्रेजरर गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव एक जरूरी इंटरनल मीटिंग में शामिल होने वाले थे। मीटिंग के बाद फेडरेशन के फैसले की घोषणा करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस भी होने की उम्मीद थी।फिल्म डॉन 3 पिछले कई सालों से अलग-अलग वजहों से टल रही है।

इससे पहले मार्च महीने में उन्होंने अपने प्रशंसकों को 90 के दशक की यादों की सैर कराई थी। अभिनेत्री ने अपने शुरुआती फिल्मी करियर की कई पुरानी तस्वीरों का एक वीडियो मोंटाज साझा किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। उस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा था, "जब तस्वीरें थोड़ी धुंधली होती थीं, लेकिन जिंदगी कहीं ज्यादा आसान थी।" वीडियो में वह 90 के दशक के कई स्टाइलिश लुक्स में नजर आई थीं, जिसने फैंस को पुरानी यादें ताजा करने का मौका दिया। गौरतलब है कि सोनाली बेंद्रे ने साल 1994 में फिल्म आग से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने सरफरोश, दिलजले, डुप्लीकेट और मेजर साब जैसी कई सफल फिल्मों में काम किया। आज भी दर्शक उन्हें हम साथ-साथ हैं में निभाए गए 'प्रीति' के किरदार के लिए खास तौर पर याद करते हैं।

खाली समय में क्रोशिया करना पसंद करती है सोनाली बेंद्रे

भीषण गर्मी के बीच बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने अपने 'समर स्टेट ऑफ माइंड' की खास झलक साझा की है। सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह अपने खाली समय में क्रोशिया करना काफी पसंद कर रही हैं और गर्मियों को आरामदायक अंदाज में एंजॉय कर रही हैं।

अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोनाली ने कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके समर मूड की झलक साफ दिखाई दी। पोस्ट की पहली तस्वीर में अभिनेत्री की खूबसूरत सेल्फी नजर आई, जबकि दूसरी तस्वीर में उनका क्रोशिया वर्क देखने को मिला। तस्वीरों में ताजगी से भरा सलाद, हरियाली से सजा खूबसूरत गार्डन और आरामदायक कमरा भी दिखाई दिया, जिसने उनके शांत और सुकूनभरे समर टाइम को दर्शाया। पोस्ट में एक बड़ी टंबलर बोतल भी नजर आई, जिस पर सोनाली का नाम लिखा हुआ था। अभिनेत्री गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेट रखने के लिए इसका इस्तेमाल कर रही हैं। इसके अलावा टेबल पर एक छोटा हैंड फैन और आईपैड भी रखा दिखाई दिया, जिसने उनके आरामदायक समर सेटअप को और खास बना दिया। अपने इस पोस्ट के कैप्शन में सोनाली बेंद्रे ने लिखा, "समर स्टेट ऑफ माइंड," और इसके साथ एक इमोजी भी साझा किया। अभिनेत्री के इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है और फैंस उनकी सादगी भरी लाइफस्टाइल की तारीफ कर रहे हैं। सोनाली बेंद्रे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी निजी जिंदगी और पेशेवर सफर से जुड़ी झलकियां साझा करती रहती हैं।

'जनक' की शूटिंग महज 19 दिनों में पूरी

पिछले कुछ वर्षों में मराठी सिनेमा ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इस समृद्ध और विषय-प्रधान सिनेमा से आकर्षित होकर बॉलीवुड के कई जाने-माने कलाकार और फिल्म निर्माता मराठी फिल्म उद्योग की ओर रुख कर रहे हैं। इसी क्रम में, बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता और निर्देशक के. पप्पू के सुपुत्र तथा प्रख्यात निर्देशक व निर्माता राज कंवर के भतीजे, अभिषेक कंवर एक बेहद सशक्त विषय के साथ फिल्म जगत में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने पारंपरिक रास्ते से हटकर अपने निर्देशन के सफर की शुरुआत बॉलीवुड के बजाय एक मराठी फिल्म से करने का निर्णय लिया है। उनकी आगामी मराठी फिल्म 'जनक' की शूटिंग हाल ही में पुणे और भोर की खूबसूरत वादियों में महज 19 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरी कर ली गई। 'आरटीबी फिल्म्स' (RTB Films) के बैनर तले निर्मित फिल्म 'जनक' के माध्यम से अभिषेक कंवर निर्माता और निर्देशक दोनों ही भूमिकाओं में मराठी फिल्म उद्योग में अपना भव्य पर्दापण कर रहे हैं।

सह-निर्माता के रूप में जिम्मेदारी निभाई है। फिल्म में सायली संजीव, अविनाश नारकर, अनुष्का मनीष पिंपुटकर और सुरेश विश्वकर्मा जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। फिल्म की पटकथा ओंकार भरमे, अभिषेक कंवर और राकेश नामदेव शिर्के ने मिलकर लिखी है। सटीक नियोजन, बेहतरीन तालमेल और पूरी टीम की दिन-रात की कड़ी मेहनत के बदौलत केवल 19 दिनों में पूरी फिल्म की शूटिंग संपन्न करने का यह अद्भुत कीर्तिमान स्थापित किया गया है।

महापौर सुनीता दयाल ने

जिला न्यायालय का किया निरीक्षण

कोर्ट परिसर में बच्चों व महिलाओं के लिए सुविधाएँ बढ़ाने के निर्देश

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल ने जिलान्यायालय का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला जज विनोद कुमार रावत, अपर जिला जज नीरज गौतम और सहायक अभियंता राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिला जज ने न्यायालय में मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता और प्रस्तावित सुधारों के बारे में महापौर को अवगत कराया।

जिला जज ने बताया कि कोर्ट परिसर में पार्क, बेंचों, बच्चों के लिए झूले, पार्क में फव्वारा, वृक्षारोपण, फूलों के पौधे और हेज लगाने, दीवारों पर पेंटिंग तथा बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था करने की योजना है। साथ ही, कोर्ट में आने वाली महिलाओं को बच्चों को आराम से फीड करने की सुविधा देने हेतु विशिष्ट रूम बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया।

महापौर सुनीता दयाल ने सभी मूलभूत सुविधाओं के महत्व पर जोर देते हुए जज साहब को आश्वस्त किया कि आवश्यक कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने अपने अधिकारियों को बुलाकर सभी कार्यों के एस्टीमेट और रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि न्यायालय परिसर में प्रतिदिन जज, अधिवक्ता, आरोपी, उनके परिजन और अन्य लोग संख्या में भारी आते हैं, इसलिए यहाँ मूलभूत सुविधाओं का होना जरूरी है। इसका सकारात्मक असर शहर की साख पर भी पड़ेगा और बाहर से आने वाले लोगों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

वीवीआईपी एड्रेस के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'जैन शिकंजी' में विशेष बैठक

सतीश जैन ने भव्य मेजबानी की

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। वीवीआईपी एड्रेस सोसाइटी के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और आपसी मेलजोल के लिए 'जैन शिकंजी' के आउटलेट में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। मेजबान और जैन शिकंजी के मालिक श्री सतीश जैन ने उपस्थित बुजुर्ग अतिथियों का आदर-सत्कार के साथ स्वागत किया और उनकी सुविधा का ध्यान रखा। कार्यक्रम में समाजसेवी जेपी कश्यप, योगाचार्या एसपी त्यागी, वरिष्ठ एडवोकेट पीपी त्यागी, इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन श्री मदन त्यागी, रिटायर्ड इंजीनियर अजय गुप्ता और फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर आमोद मित्तल सहित कई प्रबुद्धजन मौजूद रहे। बैठक में सोसाइटी के विकास, वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं और आगामी सामाजिक पहलों पर चर्चा हुई। प्रमुख अतिथियों ने जैन शिकंजी द्वारा उपलब्ध कराए गए व्यंजन और मेजबानी की प्रशंसा की। कार्यक्रम के समापन पर सीनियर सिटीजंस ग्रुप के प्रतिनिधियों ने सतीश जैन का धन्यवाद किया और इस आयोजन को सामाजिक एकजुटता को बढ़ाने वाला बताया।

वरदान मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में जटिल स्पाइन सर्जरी सफल

135 किलो वजन की मरीज को मिला नया जीवन, लगातार बारहवीं सफल स्पाइन सर्जरी

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। वरदान मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों की टीम ने एक जटिल स्पाइन सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर मरीज को नया जीवन दिया है। अस्पताल के स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. कुलदीप बंसल और डॉ. शिव नारायण सिंह की टीम ने यह सफल ऑपरेशन किया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार यह लगातार बारहवाँ सफल स्पाइन ऑपरेशन है, जिससे क्षेत्र में अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं पर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। जानकारी के अनुसार संभल जिले के चन्दौसी स्थित गणेश कॉलोनी निवासी 58 वर्षीय उमा शर्मा लंबे समय से गंभीर स्पाइन बीमारी से पीड़ित थीं। उनका वजन लगभग 135 किलोग्राम था और बीमारी लगातार बढ़ने के कारण उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। वह स्वयं उठने-बैठने तक में असमर्थ हो चुकी थीं तथा अधिकांश समय बिस्तर पर ही रहने को मजबूर थीं। परिजनों ने कई स्थानों पर उपचार कराया, लेकिन कोई विशेष राहत नहीं मिल सकी।

इसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए वरदान मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच के बाद तुरंत सर्जरी की सलाह दी। अत्याधुनिक तकनीक और विशेष चिकित्सकीय निगरानी में ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। सर्जरी के बाद मरीज को ऑब्जरवेशन में रखा गया, जहां उनकी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। अब मरीज धीरे-धीरे सामान्य रूप से चलने-फिरने लगी हैं।

डॉ. कुलदीप बंसल ने बताया कि वर्तमान समय में स्पाइन से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन सही समय पर उचित उपचार और विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह मिलने पर मरीज पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकता है। वहीं डॉ. शिव नारायण सिंह ने कहा कि अस्पताल में आधुनिक तकनीक और अनुभवी टीम की मदद से जटिल ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं।

सफल ऑपरेशन के बाद मरीज और उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन एवं चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया। अस्पताल प्रबंधन ने भी पूरी मेडिकल टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

डीएम ने जनता दर्शन में की समस्याओं की सुनवाई

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान आमजन की शिकायतें और प्रार्थना पत्र सुने और मौके पर कई शिकायतों का निस्तारण कराया। कार्यक्रम में राजस्व विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए), नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग व निर्माण विभाग संबंधी प्रकरण प्रस्तुत किए गए। जिलाधिकारी ने जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्यदिवस प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जनशिकायतों की सुनवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाइव रहकर सीधे शिकायतकताओं से संवाद करें और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के भी निर्देश जारी किए गए।

जनता दर्शन के दौरान कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया और कुछ मामलों में जूम के जरिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर आगे की कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ज्योति मौर्या व अन्य प्रशासनिक व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

साहिबाबाद में अवैध निर्माणों पर जीडीए ने कड़ी कार्रवाई

दो स्थलों पर ध्वस्तीकरण व सीलिंग

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। जीडीए उपाध्यक्ष के निदेर्शानुसार मंगलवार को प्राधिकरण के प्रभारी प्रवर्तन जोन-07 के नेतृत्व में साहिबाबाद क्षेत्र में अवैध निमार्णों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। श्याम पार्क मेन, भूखण्ड संख्या-7 पर अतिरिक्त तल के अवैध निर्माण पर ध्वस्तीकरण कराया गया तथा भूखण्ड संख्या-8 पर बिना मानचित्र स्वीकृति के किए गए निर्माण तथा वहां से संचालित हो रही व्यावसायिक गतिविधि को सील कर बंद करा दिया गया।

ध्वस्तीकरण/सीलिंग कार्यवाही प्राधिकरण के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-07 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की मौजूदगी में निष्पादित की गई। प्राधिकरण द्वारा बताया गया है कि नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसे अवैध निमार्णों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

जनता से अनुरोध है कि वे किसी भी प्रकार की निर्माण गतिविधि से पहले आवश्यक मानचित्र-स्वीकृति और अनुमतियां प्राप्त कर लें तथा अवैध निमार्णों की सूचना प्राधिकरण को उपलब्ध कराएँ, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

फटाफट खबर

झुग्गियों में लगी भीषण आग

प्रज्ञात समाचार

इंदिरापुरम। यूपी के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित वसुंधरा सेक्टर-1 के खाली मैदान में बनी 20-25 झुग्गी झोपड़ियां में सोमवार शाम करीब 3 बजे आग लग गई। दमकल टीम के पहुंचने से पहले ही आग की लपटों ने पूरे मैदान में बनी झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। वहीं, झोपड़ियों के अंदर रखे बड़े व छोटे घरेलू सिलेंडर एक-एक कर तेज धमाके के साथ फटने लगे। इससे पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। मौके पर पहुंची दमकल की टीमों व थाना पुलिस ने आसपास के घरों को खाली कराया और लोगों को सुरक्षित स्थान पर घटनास्थल से दूर भेजा। दमकल की तीन टीमें मौके पर मौजूद रही।

आरडीसी में पेड़ टूटकर गिरा, आठ कार क्षतिग्रस्त

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। आरडीसी में दुर्गा टावर के पास एक पेड़ टूटकर पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर गिर गया। पेड़ की चपेट में आकर आठ गाड़िया क्षतिग्रस्त हुई हैं। इनमें से अधिकांश गाड़ियां आरडीसी के विभिन्न ऑफिसो में काम करने वाले लोगों की है। मौके पर गाड़ियों को हटवाकर गैराज भेजा गया है।

दिनभर धूप ने तपाया, लू के थपेड़ों ने बढाई परेशानी: सुबह से शाम तक रविवार को तपिश व लू के थपेड़ों का असर बना रहेगा। दोपहर में गर्मी से स्थिति ज्यादा बदतर हो गई। लोग चिलचिलाती धूप से बचाव का प्रयास करते हुए दिखे। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन तापमान में स्थिरता रहेगी। अभी गर्मी से राहत के आसार नहीं है। एक दिन पहले आसमान में हल्के बादल मंडरा रहे थे। दिन में दो तीन बार तेज हवा का भी असर रहा। हालांकि गर्मी से उतनी राहत नहीं मिल सकी। रविवार को सुबह से ही तेज धूप में गर्मी से लोग बेहाल रहे। दोपहर होते होते धूप तेज हुई तो गर्मी भी ज्यादा महसूस हुई। लू के थपेड़ों ने समस्या ज्यादा बढ़ा दी। दोपहर में सड़कों पर राहगीरों की संख्या काफी कम देखने को मिली। छुट्टी के दिन ज्यादातर लोग घरों में ही रहे। जो काम से बाहर निकले वह धूप व लू से बचाव का प्रयास करते हुए दिखे। न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा करीब 10 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता 18 प्रतिशत के आसपास दर्ज की गई।

टिकैत बोले- समाधान नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी के विवादित बयान पर राकेश टिकैत ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत बयान था।

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद । आज गाजियाबाद में भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत हो रही है। काफी संख्या में किसान महापंचायत में पहुंचे हैं। किसानों ने वाहन सड़क किनारे खड़े कर दिए। हापुड़ रोड पर जाम की स्थिति बन गई है। वहीं, बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत महापंचायत में पहुंच गए हैं।

बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों की जमीन पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। किसानों पर झूठे मुकदमे किए जा रहे हैं। बिल्डर से सरकार की साठगांठ है। इसी वजह से सर्किल रेट नहीं बढ़ाये जा रहे हैं। आज अधिकारिओं से बात हुई है। आगे समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन होगा।

राकेश टिकैत ने सरकार को घेरते हुए कहा कि 10 साल पुराने वाहनों को इसी वजह से बाहर किया जा रहा है क्योंकि कंपनियों को सरकार को फायदा पहुंचाना है। तेल के भाव बढ़ना भी सरकार की नाकामी है। यह बात टिकैत ने सीबीआई अकादमी के निकट आयोजित हुई महापंचायत में सोमवार को कही।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों की बिल्डिंग खड़ी है। लेकिन वहां डॉक्टर नहीं है। समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी के विवादित बयान पर राकेश टिकैत ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत बयान था। कॉकरोच जनता पार्टी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि यह लोग ही इनका इलाज करेंगे। कॉकरोच अंधेरे में रहता है। वह सरकार को कटेगा। सरकार नौकरी नहीं देगी। जनता को मजदूर बनाना चाहती है। पेपर लीक पर कहा कि यह सब इनके ही लोग हैं।

बच्ची से अश्लील हरकत करने वाला अरेस्ट

बच्ची की मां को देखकर आरोपी हुआ था फरार

प्रज्ञात समाचार

लोनी। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी इलाके में चार साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में पुलिस ने 56 साल के बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मंजूर सैफी के रूप में हुई है, जो पीड़ित परिवार का रिश्तेदार बताया जा रहा है, पुलिस ने आरोपी का मेडिकल कराकर जेल भेज दिया है।

परिजनों के मुताबिक बच्ची का आरोपी के घर आना-जाना था। 19 मई की दोपहर बच्ची आरोपी के घर खेलने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान मंजूर सैफी ने बच्ची के कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। तभी बच्ची की मां मौके पर पहुंच गई। महिला को देखकर आरोपी वहां से भाग निकला। घटना के बाद परिवार ने ट्रोनिका सिटी थाने में शिकायत दी, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर टीम का गठन किया सर्विलांस और सीसीटीवी की मदद से शनिवार को आरोपी मंजूर सैफी को अरेस्ट कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बच्ची मेरी रिश्तेदारी में है, उसका मेरे घर पर आना-जाना है, 19 मई को बच्ची मेरे बच्चों के साथ खेलने के लिए मेरे घर आई थी, इसी दौरान मैंने उसके साथ अश्लील हरकत की जब उसकी माँ मौके पर पहुंची तो मैं वहां से भाग गया।

अब पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी कर रही है फिलहाल आरोपी के खिलाफ ट्रॉनिका सिटी में एक मुकदमा दर्ज है।

बढ़ती गर्मी को देख निगम की गौशाला में

गौ वंशों का रखा जा रहा है विशेष ध्यान, लगाए गए 40 कूलर

मानवता के आधार पर प्यासे पशु पक्षियों हेतु पानी की व्यवस्था करें शहरवासी नगर आयुक्त ने की अपील

प्रज्ञात समाचार

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार जहां जलकल विभाग द्वारा शहर में पेयजल की व्यवस्था हेतु अस्थाई रूप से 85 मटके के प्याऊ लगाए हुए हैं, 20 से अधिक स्थाई प्याऊ नगर निगम जलकल विभाग द्वारा चलाए जा रहे हैं राहगिरियों को शीतल जल उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा पशु पक्षियों हेतु भी पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ अनुज को दिए गए शहर में सार्वजनिक स्थल मुख्य मार्गो प्रमुख चौराहों पर निराश्रित जीव जंतु, पशु पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की जा रही है।

नगर आयुक्त द्वारा निराश्रित जीव जंतु पशु पक्षियों के लिए हर घर पानी की व्यवस्था करें अपील की जा रही है, शहर वासी मानवता के आधार पर घरों की चो पर, घरों के बाहर, मिट्टी के बर्तन में या खुले बर्तन में या अन उपयोगी वस्तु का उपयोग करते हुए उनमें निराश्रित जीव के लिए पीने की पानी की व्यवस्था बढ़ती गर्मी को देखते हुए आवश्यक रूप से करें अपील की जा रही है ' डॉ अनुज द्वारा बताया गया लगभग 100 से अधिक स्थानों पर गाजियाबाद नगर निगम पेड़ों की छांव में निराश्रित जीव के लिए पानी की व्यवस्था कर रहा है साथ ही जन-जन को भी मानवता के आधार पर बढ़ती गर्मी में पशु पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था करने के लिए जागरुक कर रहा है।

नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम की गौशाला में भी 2000 से अधिक गोवंशों के लिए गर्मी को देखते हुए कूलर की व्यवस्था कराई गई है गौशाला में कार्य करने वालों के द्वारा गोवंशों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है सुबह और शाम गोवंशों को गर्मी में नहलाने का कार्य भी किया जा रहा है, सड़कों पर चलने वाले राहगीरों को गर्मी में निगम के प्याऊ पेयजल आपूर्ति के लिए लाभदायक सिद्ध हो रहे हैं इसी प्रकार बेजुबान पशु पक्षियों के लिए भी निगम की पेयजल की व्यवस्था सराहनीय है, कई सामाजिक संस्थाओं और जागरूक शहर निवासी भी अपने प्रतिष्ठान और घरों के बाहर जीव जंतुओं के लिए पानी की व्यवस्था कर रहे हैं जो की प्रशंसनीय है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक जावेद सैफी द्वारा शुभम तोमर, 47, बेसमेंट, नवयुग मार्किट, गाजियाबाद उ.प्र. से छपवाकर म.नं. 8 जागृति विहार गुलधर रोड, सेक्टर-23 संजय नगर गाजियाबाद - 201002 से प्रकाशित किया